केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार
वाणी और विचार ये दोनों प्रोडक्ट हमारी खुद की कंपनी के हे, जितनी अच्छी क्वालिटी ओर गुणवत्ता रखेंगे उतनी अच्छी कीमत मिलेगी

वर्ष : 16 अंक : 339 | उज्जैन, गुरुवार 21 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

सूर्यास्त्र रॉकेट ने ओडिशा में साधा सटीक निशाना; 150 और 300 KM रेंज, आत्मनिर्भर भारत को मिली मजबूती

ओडिशा/ जीएनएस। भारत के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र को बड़ी मजबूती देते हुए पुणे स्थित निजी कंपनी निबे लिमिटेड ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में 18 और 19 मई को 'सूर्यास्त्र' लंबी दूरी की रॉकेट प्रणाली का सफल परीक्षण किया। इन परीक्षणों में भारतीय सेना के लिए विकसित 150 किलोमीटर और 300 किलोमीटर मारक क्षमता वाले दो अत्याधुनिक रॉकेटों ने बेहद सटीक निशाना साधकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। कंपनी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, 150 किलोमीटर रेंज वाले रॉकेट ने 1.5 मीटर की वृत्ताकार त्रुटि संभाव्यता (सीईपी) हासिल की, जबकि 300 किलोमीटर रेंज वाले संस्करण ने 2 मीटर सीईपी दर्ज की। रक्षा क्षेत्र में सीईपी को किसी भी मिसाइल या रॉकेट की सटीकता का सबसे महत्वपूर्ण पैमाना माना जाता है। इसका अर्थ है कि लक्ष्य के आसपास निर्धारित दायरे में आधे प्रक्षेप्य गिरने की संभावना रहती है। इतनी कम सीईपी लंबी दूरी के गहरे स्ट्राइक अभियानों में इस प्रणाली की घातक सटीकता को दर्शाती है। जानकारी के अनुसार, यह परीक्षण भारतीय सेना के खरीद आदेश के तहत किए गए। सूर्यास्त्र प्रणाली को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि यह लंबी दूरी से दुश्मन के महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमला कर सके और प्रक्षेपण प्लेटफॉर्म को दुश्मन की पहुंच से दूर रख सके। 'सूर्यास्त्र' को इजरायल की एलबिट सिस्टम्स की प्रिसिजन एंड यूनिवर्सल लॉन्चिंग सिस्टम (पल्स) तकनीक के भारतीय संस्करण के रूप में विकसित किया गया है। इसे निबे लिमिटेड और इजरायली रक्षा कंपनी के सहयोग से तैयार किया गया है। परियोजना में 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत व्यापक स्तर पर स्वदेशी विनिर्माण और तकनीकी हस्तांतरण को शामिल किया गया है। यह प्रणाली बहु-कैलिबर सार्वभौमिक रॉकेट लॉन्चर के रूप में कार्य करती है, जो विभिन्न प्रकार के रॉकेटों और लोइटरिंग म्यूनिशन को मॉड्यूलर पॉड्स के माध्यम से दागने में सक्षम है। इसकी यही बहुमुखी क्षमता इसे भारतीय सेना की मौजूदा स्वदेशी प्रणालियों, विशेषकर पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर के लिए एक मजबूत पूरक बनाती है।

जेपी नड्डा के घर के बाहर पुतला जलाने वालों को राहत नहीं, दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा- यह प्रदर्शन नहीं हिंसा

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली हाई कोर्ट ने भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के सरकारी आवास के बाहर पुतला जलाने के मामले में आरोपितों को राहत देने से इन्कार करते हुए कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन के नाम पर हिंसा स्वीकार नहीं की जा सकती। अदालत ने आरोपितों की आरोपमुक्त किए जाने की याचिका खारिज करते हुए उनकी कार्रवाई को बेहद विघटनकारी गतिविधि करार दिया। न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने कहा कि आरोपित जगदीप सिंह उर्फ जग्गा और अन्य लोगों ने केवल सड़क पर पुतला नहीं जलाया, बल्कि सुरक्षा कर्मियों के विरोध के बावजूद सड़क, फुटपाथ और सर्विस लेन पार कर जलते हुए हिस्सों को सुरक्षा कक्ष की छत पर फेंका। अदालत ने कहा कि इस तरह की हरकत को विरोध प्रदर्शन नहीं कहा जा सकता। हाई कोर्ट ने कहा कि यदि उद्देश्य केवल विरोध प्रदर्शन होता, तो आरोपितों के पास चौड़ी सड़क और फुटपाथ पार कर जलते हुए पुतले को सुरक्षा कक्ष की ओर फेंकने का कोई कारण नहीं था। अदालत ने कहा कि सुरक्षा कर्मियों के मौजूद रहने के बावजूद जलता हुआ पुतला फेंकना ऐसा कृत्य था, जिससे मौत या गंभीर चोट लगने की पूरी संभावना थी। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि आइपीसी की धारा 436 केवल विस्फोटक पदार्थ तक सीमित नहीं है, बल्कि आग से की गई शरारत पर भी लागू होती है। वहीं, धारा 285 को लागू करने की दलील खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा कि आरोपितों का कृत्य लापरवाही नहीं बल्कि जानबूझकर किया गया कार्य था।

ग्रामीण विकास में रोजगार सहायकों की महत्वपूर्ण भूमिका, राज्य सरकार इनके हित की चिंता करेगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

जंबूरी मैदान, भोपाल में हुआ ग्राम रोजगार सहायकों का राज्य स्तरीय महासम्मेलन

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्राम रोजगार सहायक ग्रामीण विकास और ग्राम को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनकी भूमिका हनुमान की तरह होती है। राज्य सरकार ग्राम रोजगार सहायकों के हित संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भोपाल के जंबूरी मैदान में हुए ग्राम रोजगार सहायकों के राज्य स्तरीय महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रोजगार सहायक प्रदेश की ग्राम पंचायतों में विकास की मुख्य धुरी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के डिजिटल भारत के स्वप्न को साकार करने ग्राम रोजगार सहायकों की महत्वपूर्ण भूमिका हैं। ग्राम रोजगार सहायक इस महत्वपूर्ण कार्य के सारथी हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग में आगे हैं ग्राम सहायक- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। उन्होंने ग्राम स्वराज का सपना देखा था। हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डीबीटी व्यवस्था को लागू कर इसे लोकप्रिय बनाया है। हितग्राहियों तक योजनाओं की राशि पहुंचाने का कार्य इस पद्धति से हो रहा है। जिसका श्रेय रोजगार सहायकों और पंचायत सचिवों को जाता है। शासन और जनता के लिए कार्य करते हुए यही वर्ग अपनी बुद्धि, पराक्रम, पुरूषार्थ और कुशलता से समाज को आदर्श रूप में दिखाई देता है। अनेक असंभव कार्य भी वे कर दिखाते हैं। इस नाते जमीनी स्तर पर उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। समाज के निर्धन और जरूरतमंद व्यक्ति जो समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े हैं, उन्हें लाभान्वित करने में अपनी भूमिका निभाते है।

महिला, किसान, युवा और गरीब कल्याण में ग्राम सहायकों की महत्वपूर्ण है भूमिका- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी महिला, किसान, युवा और गरीबों के हित को प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रहे हैं। ग्राम सहायकों की भूमिका भी इन वर्गों के विकास में पुरुषार्थ के रूप में समाज को आदर्श रूप में दिखाई देती है। ग्राम सहायक और पंचायत सचिव युक्ति और बुद्धि का उपयोग कर शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे- वीबी जी-राम-जी (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन) के क्रियान्वयन और जनता की विभिन्न समस्याओं का समाधान का रास्ता निकालते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर गेहूं उपार्जन कार्य में भी ग्राम सहायकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए घोषणा की कि प्रदेश में जिन किसानों के उपार्जन के लिए स्लॉट 23 मई तक बुक थे। उन किसानों के लिये आवश्यकतानुसार उपार्जन कार्य 28 मई तक बढ़ाने का प्रबंध किया जायेगा।

जल गंगा संवर्धन के अच्छे परिणाम लाने में जुटे हैं ग्राम सहायक- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश जल संरक्षण और संवर्धन के कार्यों में अग्रणी है। प्रदेश को ग्राम सहायकों के परिश्रम से इस कार्य में प्रथम स्थान आने का यश मिला है। कुओं, बावड़ियों, तालाबों और नदियों को उपयोगी बनाने, आम जनता को पानी बचाने और जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए प्रेरित कर रहे ग्राम सहायक निष्ठा से कार्य कर रहे हैं।

ग्राम सहायकों की चिंता करेगी राज्य सरकार -मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्राम सचिवों के मानदेय बढ़ाने और उन्हें अन्य सुविधायें प्रदान करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार पूरी चिंता करते हुए आवश्यक कदम उठाएगी। पूर्व में भी पारिश्रमिक दोगुना करने का निर्णय लिया जा चुका है। ग्राम सहायकों के हित में जनप्रतिनिधियों के साथ और संगठन के पदाधिकारियों के परामर्श से बैठक में विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिया जायेगा।

दुर्घटना का शिकार हुए रोजगार सहायकों के परिवारों को आर्थिक सहायता की घोषणा - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस महासम्मेलन के लिए भोपाल आ रहे दो ग्राम सहायक श्री मीणा और श्री लखन के दुर्घटना में असामयिक देवलोक गमन का समाचार पीड़ादायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए, दोनों के परिजन को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की राशि प्रदान करने की घोषणा की। इसके साथ ही गंभीर घायल को 1 लाख रुपये और अन्य सामान्य घायलों को समुचित उपचार के लिए 50-50 हजार रुपये की राशि देने की घोषणा की।

विजय कैबिनेट में शामिल होगी कांग्रेस, करीब छह दशक बाद तमिलनाडु की सत्ता में बनेगी भागीदार

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन भले ही कमजोर रहा हो मगर करीब छह दशक के लंबे अंतराल के बाद पार्टी राज्य में सत्ता की भागीदार बनने जा रही है। कांग्रेस के दो विधायक गुरूवार को मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार में बतौर कैबिनेट मंत्री शपथ लेंगे।

विधानसभा चुनाव में पूर्व सीएम एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक संग गठबंधन में उतरी कांग्रेस ने बहुमत से पीछे रहे विजय के मुख्यमंत्री बनने की राह बनाने में अहम भूमिका निभाई। द्रविड राजनीति के वर्चस्व वाले तमिलनाडु में कांग्रेस के दो सदस्यों का मंत्री बनना इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है कि वस्तुतः छह दशक बाद कोई राष्ट्रीय पार्टी राज्य की सत्ता में भागीदारी बन रही है।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने राज्य में पार्टी के दो विधायकों के मंत्री बनने की जानकारी एक्स पोस्ट पर साझा करते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विधायक एडवोकेट राजेश कुमार और पी. विश्वनाथन को तमिलनाडु कैबिनेट में शामिल करने की मंजूरी दे दी है और गुरूवार को दोनों मंत्री पद की शपथ लेंगे।

तमिलनाडु की सत्ता-सियासत में पार्टी के लिए यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है क्योंकि दो दशक तक द्रमुक संग गठबंधन में होने के बाद भी उसने कांग्रेस को कभी सत्ता में भागीदारी नहीं दी। वेणुगोपाल ने भी माना कि यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक अवसर है क्योंकि 59 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद कांग्रेस तमिलनाडु कैबिनेट में शामिल हो रही है।

कांग्रेस कोटे से शामिल हो रहे दोनों मंत्रियों को शुभकमानाएं देते हुए यह भी कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि वे तमिलनाडु की जनता की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करेंगे। साथ ही लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा निर्धारित कल्याणकारी और जन-हितैषी शासन के साहसी दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में काम करेंगे।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में जुटी भाजपा, 25 मंडलों में प्रभारियों को दी बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ/ जीएनएस। विधान सभा चुनाव की तैयारियों में भाजपा जुट गई है। संगठन को नीचे स्तर पर मजबूत करने के लिए महानगर के सभी 25 मंडलों के लिए प्रभारियों की तैनाती कर दी गई है। इनकी संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा आगामी कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु प्रभारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। पार्टी नेतृत्व ने सभी प्रभारियों से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं से नियमित संवाद बनाए रखने तथा जनसंपर्क अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने का आह्वान किया है। भाजपा महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी की तरफ से मंडल प्रभारियों की सूची जारी की गई है। चिनहट शहरी (पूर्व-5) मंडल का प्रभारी राकेश पाण्डेय, सरोजनी नगर दक्षिण-1 का सौरभ बाल्मीकि, सरोजनी नगर दक्षिण-2 का सतीश चंद्र मिश्रा एवं सरोजनी नगर दक्षिण-3 का विनोद सिंह कल्लू, कैंट-एक पर धनश्याम दास अग्रवाल, कैंट-दो पर मानवेन्द्र प्रताप सिंह, कैंट-ती पर पंकज सक्सेना तथा कैंट-चार पर आनन्द कुमार पाण्डेय आदी।

राहुल गांधी के 'देशद्रोही' वाले बयान पर बवाल, भाजपा ने कहा- आतंकियों जैसी भाषा

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर दिए गए बयान पर सियासी घमासान छिड़ गया है। भाजपा ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उनकी भाषा पाकिस्तान और आतंकवादियों जैसी है। वहीं कांग्रेस नेता के बयान को लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान बताया गया है।

दरअसल, राहुल गांधी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के रायबरेली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि जब ऋस्र् कार्यकर्ता नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बात करें तो उन्हें जवाब देना चाहिए कि आपके प्रधानमंत्री गद्दार हैं, आपके गृह मंत्री गद्दार हैं और आपका संगठन गद्दार है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि ऋस्र् और भाजपा ने संविधान, डॉ. भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी के विचारों पर हमला किया है।

इसके बाद भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सांसद पर पलटवार शुरू कर दिया। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी की भाषा किसी दुश्मन देश जैसी हो गई है। उन्होंने कहा कि देश की जनता और युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के साथ खड़े हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राहुल गांधी के बयान को लोकतंत्र का अपमान बताते हुए कहा कि उनकी भाषा पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों जैसी है।

हैदराबाद में टीनएजर ने दिनदहाड़े की महिला से छेड़छाड़, सीसीटीवी के आधार पर जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली/ जीएनएस। हैदराबाद से एक टीनएजर की शर्मनाक करतूत सामने आई है। 14 मई की दोपहर जब एक महिला अपने बच्चे के साथ घर वापस लौट रही थी, तभी एक टीनएजर ने उसे सबके सामने परेशान किया। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई।

सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, महिला अपने बच्चे को एक हाथ में लिए हुए और दूसरे हाथ से छाता पकड़े हुए स्कूल से लौ रही थी। वह आराम से चल रही थी, तभी पीछे से एक टीनएजर उनके पास आया और उनकी ड्रेस ऊपर उठा दी। क्या हुआ और किसने किया, यह समझ न आने पर महिला तुरंत पीछे मुड़ी और उस टीनएजर का पीछा किया।

वह कुछ सेकंड तक वहीं खड़ी रही और फिर उस टीनएजर की दिशा में आगे बढ़ गई। यह घटना 14 मई को दोपहर करीब 1:44 बजे, मणिकोंडा-नेक्नामपुर इलाके में नारसिंगी पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत, अलकापुर टाउनशिप में प्रणति ईशा अपार्टमेंट के पास हुई।

भारत और इटली के बीच 'DDD' की डील, पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों के लिए दिया नया मंत्र

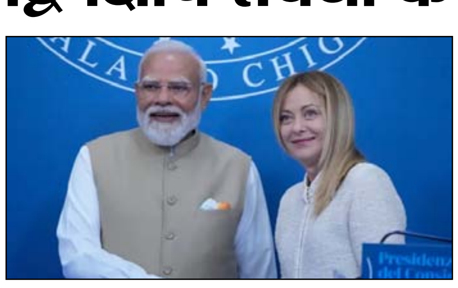

नई दिल्ली/ जीएनएस। दो दिवसीय इटली दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साझा बयान में कहा कि पिछले लगभग साढ़े 3 सालों में मुझे कई बार प्रधानमंत्री मेलोनी से मिलने का मौका मिला है। यह भारत और इटली के बीच करीबी सहयोग और सामंजस्य को दर्शाता है। उनके नेतृत्व में हमारे संबंधों को नई गति, नई दिशा और नया आत्मविश्वास मिला है।

उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि हम अपने संबंधों को अपग्रेड करते हुए स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप की घोषणा कर रहे हैं। आज की बैठक में हमने हमारी भावी साझेदारी को और सशक्त बनाने के लिए विस्तृत रूप से चर्चा की। भारत-इटली ज्वाइंट स्ट्रेटेजिक एक्शन प्लान 2025-2029 हमारी साझेदारी को एक व्यवहारिक और फ्यूचरिस्टिक ढांचा प्रदान करता है। हम इस पर समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहे हैं।

डिजाइन एंड डेवलप इन इंडिया एंड इटली एंड डिलीवर फॉर वर्ल्ड- प्रधानमंत्री ने कहा कि इटली विश्व में डिजाइन और सटीकता के लिए जाना जाता है। भारत की पहचान स्केल, टेलेंट और अफोर्डेबल इनोवेशन के पावर हाउस की है। इसलिए हम डिजाइन एंड डेवलप इन इंडिया एंड इटली एंड डिलीवर फॉर वर्ल्ड सिद्धांत पर आगे बढ़ेंगे।

भारत और इटली के बीच कनेक्टिविटी स्वाभाविक है- पीएम मोदी- पीएम मोदी ने कहा कि रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में करीबी सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। हमारी सेनाओं के साथ साथ दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच भी सहयोग बढ़ रहा है। हमारे डिफेंस इंडस्ट्रीयल रोडमैप से को-डेवलपमेंट और को-प्रोडेक्शन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। समुद्री शक्तियों के रूप में भारत और इटली के बीच कनेक्टिविटी के क्षेत्र में करीबी सहयोग स्वाभाविक है। हम मिलकर शिपिंग, पोर्ट मॉर्डनाइजेशन, लॉजिस्टिक्स और ब्लू इकोनॉमी पर काम करेंगे।

NEET क्लीन की तैयारी: फर्जी टेलीग्राम चैनलों पर शिकंजा, धर्मेंद्र प्रधान नेमेटा-गूगल और टेलीग्राम से की बात

नई दिल्ली/ जीएनएस। मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी नीट-यूजी (नेशनल एलिजविलटी कम एंट्रेस टेस्ट) की 21 जून को दोबारा होने वाली परीक्षा को फुलप्रूफ बनाने के लिए केंद्रीय सुरक्षा और इंटेलीजेंस एजेंसियां भी इस बार मोर्चा संभालेंगे।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को परीक्षा से जुड़े सुरक्षा इंतजामों को लेकर केंद्रीय सुरक्षा व इंटेलीजेंस एजेंसियों के अधिकारियों के साथ चर्चा की है।

इस दौरान एनटीए के भी आला अधिकारी मौजूद थे। इससे पहले तीन मई को आयोजित हुई नीट-यूजी की परीक्षा को पेपर लीक होने के चलते रद कर दिया गया था। साथ ही इस परीक्षा को दोबारा कराने का ऐलान किया गया था।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा कि परीक्षा को सुरक्षित व निष्पक्ष तरीके से कराने के साथ ही छात्रों को गुमराह होने से बचाना और लोगों के भरोसे को बनाए रखना सरकार की बड़ी प्राथमिकता है।

शिक्षा मंत्री ने एनटीए परीक्षा से जुड़ी कमियों को हर समय रहते खोजने और उसके उपाय करने के निर्देश भी दिए। प्रधान ने इस दौरान इंटरनेट मीडिया के जरिए परीक्षा को लेकर फैलाए जाने वाली अफवाहों से सख्ती से निपटने और ऐसे फेक इंटरनेट अकाउंट को बंद करने के निर्देश दिए।

मेटा-गूगल और टेलीग्राम के प्रतिनिधियों से की बात- केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने बड़े इंटरनेट प्लेटफॉर्म जैसे मेटा, गूगल और टेलीग्राम के प्रतिनिधियों के साथ एक अन्य बैठक भी की। जिसमें प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी गलत जानकारी के बढ़ते फैलाव, खासकर टेलीग्राम चैनल और गुमनाम ऑनलाइन ग्रुपों के जरिए किए जाने वाले दुष्प्रचार को तुरंत रोकने के निर्देश दिए। उन्हें अपनी ओर से भी पूरी सतर्कता बरतने को कहा।

इस दौरान शिक्षा मंत्रालय व एनटीए के अधिकारियों ने एक ब्यौरा भी पेश किया गया है, जिसमें बताया गया कि बड़ी परीक्षाओं से पहले कुछ ऐसे चैनल है जो बहुत ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं।

48 घंटे में गुमशुदा युवक सकुशल बरामद, खजराना पुलिस ने दो अपहरणकर्ताओं को किया गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना खजराना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 48 घंटे के भीतर गुमशुदा युवक को सकुशल दस्तयाब कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने युवक को सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द कर आरोपियों के खिलाफ अपहरण सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया।

पुलिस के अनुसार 18 मई 2026 को महफूज पिता जाकिर हुसैन (19) निवासी राजा कॉलोनी, चंदन नगर खजराना क्षेत्र के शहीद पेट्रोल पंप के पास से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। मामले में थाना खजराना में गुमशुदगी दर्ज कर विशेष टीम गठित की गई थी।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, डीसीपी अमन सिंह राठौर, अतिरिक्त डीसीपी अमरेन्द्र सिंह एवं एसीपी कुंदन मंडलोई के निर्देशन में थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव के नेतृत्व में टीम लगातार युवक की तलाश में जुटी रही।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि गुमशुदा युवक को उसके ही परिचित और बिजनेस पार्टनर अपने साथ ले गए थे। पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मेहफूज पिता मेहमूद खान निवासी माणिकबाग इंदौर तथा फिरोज पिता मेहबूब खान निवासी मुंडला कला जिला सीहोर को गिरफ्तार किया।

पुलिस जांच में सामने आया कि बकरे खरीदने के दौरान पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अपहरण एवं अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

खजराना पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

इंदौर में 2013 से कर रहे कुत्तों की नसबंदी हो रही, फिर भी नहीं हो पा रहा नियंत्रण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में श्वानों की नसबंदी का कार्यक्रम वर्ष 2013-14 से चल रहा है। दावा है कि अब तक दो लाख 15 हजार से ज्यादा श्वानों की नसबंदी की जा चुकी है और 40 हजार से ज्यादा श्वान हैं जिनकी नसबंदी होना बाकी है।

चौंकाने वाली बात यह है कि इन सबके बावजूद शहर में श्वानों के काटने के मामले लगातार बढ रहे हैं। पिछले एक वर्ष में 60 हजार से ज्यादा लोगों को श्वान ने काटा है। वर्तमान में इंदौर में दो एजेंसियां श्वानों की नसबंदी का काम देख रही हैं। रोजाना 40-50 श्वानों की नसबंदी का दावा किया जा रहा है।

जहां से उठाते हैं, वहीं छोड़ रहे- शहर में ट्रेंचिंग ग्राउंड और छावनी ये दो स्थान हैं जहां श्वानों की नसबंदी की जा रही है। इस काम में लगी एजेंसियां श्वानों को मोहल्ले, बस्तियों से पकड़कर नसबंदी केंद्र लेकर आती हैं और फिर यहां नसबंदी के बाद उन्हें उसी स्थान पर छोड़ दिया जाता है जहां से उन्हें उठाया था। हुकमचंद पाली क्लिनिक से मिले आंकड़ों के अनुसार शहर में श्वानों के काटने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। तीन वर्ष पहले तक यह आंकड़ा 32 हजार के आसपास था जबकि पिछले एक वर्ष में श्वानों ने 60 हजार से ज्यादा लोगों को काटा है। यह आंकड़ा सिर्फ सरकारी अस्पतालों का है। कई लोग श्वान काटने के बाद निजी अस्पताल भी पहुंच जाते हैं। चौकाने वाली बात यह भी है कि नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने शहर की सड़कों से खतरनाक श्वानों को हटाने का अंतरिम आदेश दिया था। इसके बाद नगर निगम ने ट्रेंचिंग ग्राउंड पर डाग शेल्टर होम तैयार करने की योजना बनाई थी, लेकिन यह अब तक मूर्तरूप नहीं ले सकी।

बच्चों के विवाद में चली गोली, हत्या के प्रयास के चार आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना खजराना पुलिस ने पिस्टल से फायर कर हत्या के प्रयास के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार खजराना क्षेत्र की अशरफी कॉलोनी में 18 मई 2026 की रात करीब 11 बजे बच्चों के मामूली विवाद ने अचानक गंभीर रूप ले लिया। विवाद के दौरान आरोपियों ने वसीम नामक व्यक्ति पर पिस्टल से फायर कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

मामले में फरियादी सोनू पिता बबलू खान की शिकायत पर थाना खजराना में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर डीसीपी जोन-2 अमन सिंह राठौर, अतिरिक्त डीसीपी अमरेन्द्र सिंह और एसीपी कुंदन मंडलोई के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी खजराना द्वारा विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में इरशाद उर्फ गोलू खान, सोहेल खान, यासीन खान और निसार मोहम्मद शामिल हैं। सभी आरोपी खजराना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं।

घायल वसीम पिता मनजीर हुसैन निवासी अशरफी कॉलोनी का उपचार जारी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त हथियार जब्त कर लिया है और मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के तहत आबकारी विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देकर नशे से दूर रहने हेतु किया गया प्रेरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा ÷नशे से दूरी है जरूरी÷ अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के तहत विद्यार्थियों, ग्रामीणजनों एवं आम नागरिकों को नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों को बताया गया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके भविष्य, परिवार एवं सामाजिक जीवन पर भी गंभीर नकारात्मक प्रभाव डालता है। कार्यक्रमों में सभी को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

आबकारी निरीक्षक श्री आशीष जैन एवं त्रियंबिका शर्मा द्वारा महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट एवं सत्य मेव जयते इंस्टीट्यूट में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि नशा युवाओं के भविष्य एवं उनके व्यक्तित्व विकास को प्रभावित करता है।

गीतों के जरिए पुलिस ने दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को थाना एमआईजी पुलिस द्वारा एलआईजी चौराहे पर विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी एमआईजी और पुलिस स्टाफ ने आमजन से यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। नियमों का पालन कर न केवल स्वयं को बल्कि दूसरों के जीवन को भी सुरक्षित बनाया जा सकता है।

पुलिस टीम ने सड़क सुरक्षा से जुड़े गीतों और संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। वाहन चालकों से हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा शराब पीकर वाहन नहीं चलाने की अपील की गई।

घर-घर योग-हर व्यक्ति निरोग अभियान के तहत ग्रामीणों को किया जा रहा योग के प्रति जागरूक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) सेमलिया चाऊ द्वारा सेमलिया चाऊ एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विगत 11 मई से घर-घर योग-हर व्यक्ति निरोग योग जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि अभियान के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) सेमलिया चाऊ की टीम द्वारा घर-घर पहुंचकर आंगनबाड़ी केंद्रों, पंचायत भवनों एवं ग्रामीण चौपालों पर योग संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रमों में ग्रामीणों को दैनिक जीवन में योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है साथ ही नियमित योग अभ्यास भी कराया जा रहा है।

RRR सेंटर्स बने पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहयोग का मजबूत आधार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंदौर नगर निगम द्वारा शहर में संचालित किए जा रहे RRR (Reduce, Reuse, Recycle) सेंटर्स अब वेस्ट टू वैल्यू की अवधारणा को जनआंदोलन का रूप दे रहे हैं। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 15 RRR सेंटर्स संचालित किए जा रहे हैं, जिनका संचालन निगम की सहयोगी एनजीओ संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है।

इन सेंटर्स के माध्यम से नागरिक अपने घरों की अनुपयोगी लेकिन उपयोगी सामग्री जैसे कपड़े, किताबें, खिलौने, जूते-चप्पल, बर्तन, फर्नीचर, प्लास्टिक सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक सामान और ई-वेस्ट जमा करा रहे हैं। इन सामग्रियों का वर्गीकरण कर पुनः उपयोग योग्य बनाया जाता है और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाया जाता है।

नगर निगम द्वारा विभिन्न स्लम बस्तियों में RRR स्लम हाट का आयोजन कर गरीब और जरूरतमंद परिवारों को कपड़े, किताबें, खिलौने, बर्तन और अन्य घरेलू सामग्री वितरित की जा रही है। अब तक शहर में 209 स्लम हाट आयोजित किए जा चुके हैं।

मार्च 2026 में निगम द्वारा चलाए गए घर की सफाई - RRR कलेक्शन ड्राइव अभियान के तहत शहरभर से करीब 55 हजार किलो सामग्री संग्रहित की गई। इस अभियान में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अनुपयोगी वस्तुओं को फेंकने के बजाय पुनः उपयोग के लिए दान किया।

नगर निगम के अनुसार अब तक RRR सेंटर्स पर 40 हजार किलो से अधिक कपड़े, 11 हजार से ज्यादा जूते-चप्पल, 22 हजार किलो पूजन सामग्री, हजारों किताबें, खिलौने और अन्य उपयोगी वस्तुएं संग्रहित की जा चुकी हैं। इनमें से बड़ी मात्रा में सामग्री जरूरतमंद परिवारों को वितरित भी की गई है।

नगर निगम द्वारा RRR सेंटर्स के प्रचार-प्रसार और जनजागरूकता के लिए 404 अभियान भी चलाए जा चुके हैं। निगम का मानना है कि नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से इंदौर स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता की दिशा में भी नई मिसाल कायम कर रहा है।

बिखरे हुए गांवों के स्थान पर ब्लॉक मुख्यालय में छात्रावासों का किया जाये युक्तियुक्तकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय कार्य विभाग की विभागीय परामर्श समिति की बैठक मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह की अध्यक्षता में आज वल्लभ भवन भोपाल में संपन्न हुई। बैठक में विभागीय योजनाओं पर चर्चा की गई और महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। बैठक में मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि बिखरे हुए गांवों के स्थान पर ब्लॉक मुख्यालय में छात्रावासों का युक्तियुक्तकरण किया जाए। ब्लॉक मुख्यालय में जो कॉलेज बने हैं वहाँ जनजातीय क्षेत्र के ग्रामों से विद्यार्थियों को आने के लिये बस सुविधा प्रारंभ की जाए। सदस्यों द्वारा जनजातीय वर्ग के जो फर्जी जाति प्रमाण पत्र बने हैं और उस पर शीघ्रता पूर्वक जाँच पूरी करने की आवश्यकता बैठक में बताई गई।

बैठक में माननीय विधायकगणों द्वारा मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह द्वारा अपने क्षेत्र में जनजातीय समाज की कॉलेज जाने वाली छात्राओं के लिए प्रारंभ की गई बस सुविधा और विभिन्न कन्या छात्रावासों का नामकरण रानी दुर्गावती और शबरी माता के नाम पर किए जाने की सराहना की गई। बैठक में विधायक श्री कुंवर सिंह टेकाम, श्री जयसिंह मरावी, श्री फुंदेलाल सिंह मार्को, सुश्री गंगा सज्जन सिंह उइके, श्री राजन मंडलोई तथा प्रमुख सचिव श्री गुलशन बामरा एवं आयुक्त श्री तरुण राठी उपस्थित थे।

बैठक में दिए गए महत्वपूर्ण सुझाव- परामर्शदात्री समिति की बैठक में मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि समिति की बैठक नियमित रूप से होनी चाहिए।

जल है तो कल है: वर्षा जल संचयन अपनाने की नगर निगम ने की अपील

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी और गिरते भूजल स्तर के बीच इंदौर नगर निगम ने शहरवासियों से वर्षा जल संचयन अपनाने की अपील की है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने नागरिकों से अपने घरों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का आग्रह करते हुए कहा कि जल है तो कल है केवल नारा नहीं, बल्कि आने वाले समय की आवश्यकता है।

महापौर ने कहा कि कभी पग-पग रोटी, डग-डग नीर के लिए प्रसिद्ध इंदौर में अब कई क्षेत्रों में भूजल स्तर तेजी से घट रहा है। लगातार गिरते जलस्तर के कारण अनेक बोरवेल सूख चुके हैं या उनमें पानी की मात्रा कम हो गई है। ऐसे में वर्षा जल संचयन ही भविष्य के जल संकट से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है।

निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने जल संरक्षण को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में बताया कि नगर निगम द्वारा शहर में विभिन्न स्थानों पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जा रहे हैं। साथ ही नागरिकों को भी अपने भवनों में यह सिस्टम लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विगत दो माह में तीन हजार से अधिक भवनों में वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जा चुके हैं।

नगर निगम द्वारा रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के लिए फिल्टर निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। नागरिक मेयर 311 हेल्पलाइन पोर्टल या अपने नजदीकी जोनल कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं।

निगम प्रशासन ने नागरिकों को छतों की नियमित सफाई, फर्स्ट फ्लश सिस्टम लगाने, फिल्टर उपयोग करने और संचयन टैंकों को सुरक्षित रखने जैसी सावधानियां अपनाने की सलाह दी है। वहीं जहरीली छतों से पानी संग्रह नहीं करने, गंदा पानी टैंक में नहीं जाने देने और बिना शुद्धिकरण के पानी का उपयोग नहीं करने की हिदायत भी दी गई है।

नगर निगम के अनुसार वर्षा जल संचयन से भूजल स्तर बढ़ेगा, पानी की बचत होगी, जल संकट और बाढ़ जैसी समस्याओं में कमी आएगी तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

ब्रिक्स देशों की जनसांख्यिकीय ताकत उन्हें कामकाज के भविष्य को आकार देने का अवसर देती है : डॉ. मनसुख मांडविया

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में ब्रिक्स युवा परिषद उद्यमिता कार्य समूह की बैठक जारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ब्रिक्स युवा परिषद उद्यमिता कार्य समूह की बैठक वर्तमान में भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के हिस्से के रूप में मध्य प्रदेश के इंदौर में चल रही है। इस बैठक में उद्यमिता में सहयोग को मजबूत करने और नवाचार-आधारित सतत विकास को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श के लिए ब्रिक्स देशों के युवा उद्यमी, प्रतिनिधि, नीति-निर्माता और हितधारक एक साथ आए हैं। युवा कार्यक्रम विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यह बैठक ÷लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता के लिए निर्माण÷ विषय के तहत आयोजित की जा रही है।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए और प्रतिभागियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने जनसांख्यिकीय ताकत को रेखांकित किया जो ब्रिक्स देशों को कामकाज के भविष्य को आकार देने का अवसर देती है। उन्होंने आगे कहा, ÷हमारे देश मिलकर दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। कई ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में, 50त्न से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। अकेले भारत में लगभग 65त्न आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह जनसांख्यिकीय ताकत ब्रिक्स देशों को कामकाज के भविष्य को आकार देने का अवसर देती है। ब्रिक्स देशों में युवा पहले से ही परिवर्तनकारी बदलाव ला रहे हैं।÷ उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने कौशल विकास, डिजिटल समावेशन और उद्यम-आधारित विकास पर केंद्रित प्रयासों के माध्यम से सम्मानजनक रोजगार के अवसरों का विस्तार करने और दुनिया के सबसे जीवंत स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक का निर्माण करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। ÷स्थानीय नवाचार से वैश्विक प्रभाव तक÷ युवा-नेतृत्व वाले स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए ब्रिक्स सहयोग÷ पर एक समर्पित सत्र में भाग लेने वाले ब्रिक्स देशों ने उद्यमिता के क्षेत्र में अपने अनुभव, पहल और सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रस्तुत किया। इस सत्र ने विचारों के आदान-प्रदान और ब्रिक्स देशों के बीच स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने तथा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया।

कौशल प्रशिक्षण से बढ़ रहा बेटियों का आत्मविश्वास, आत्मनिर्भर जीवन की ओर बढ़ रहे कदम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश की बेटियां अब आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं। कौशल विकास एवं रोजगार विभाग की योजनाएं उन्हें कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार के बेहतर अवसर दे रही हैं। यही कारण है कि बड़ी संख्या में महिलाएं अब तकनीकी और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़ रही हैं। कौशल प्रशिक्षण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। इससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है।

प्रदेश में 934 आईटीआई हैं। इनमें 290 शासकीय और 644 निजी आईटीआई शामिल हैं। इन संस्थानों में युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुसार कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सत्र 2025 में शासकीय आईटीआई में 94.55 प्रतिशत प्रवेश हुआ। यह अब तक का सर्वाधिक प्रवेश प्रतिशत है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए शासकीय आईटीआई में 35 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं। इसका अच्छा परिणाम दिखाई दे रहा है।

प्रदेश की आईटीआई में वर्तमान में 71 आधुनिक ट्रेड्स में 15 हजार से अधिक महिला प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कोपा), स्टेनोग्राफर हिन्दी और इलेक्ट्रिशियन जैसे ट्रेडों में बड़ी संख्या में बेटियाँ प्रशिक्षण ले रही हैं। यह बदलते माहौल और बेटियों के बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाता है। अब बेटियां नए क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने भविष्य को मजबूत बना रही हैं।

महिलाओं को सुरक्षित और बेहतर वातावरण देने के लिए प्रदेश में 7 शासकीय महिला आईटीआई संचालित की जा रही हैं। वहीं 56 शासकीय आईटीआई में महिला छात्रावास सुविधा उपलब्ध है। इनमें 3400 से अधिक सीटें हैं। इससे दूर-दराज क्षेत्रों की बेटियों को भी प्रशिक्षण का अवसर मिल रहा है।

कौशल विकास एवं रोजगार विभाग का फोकस केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है। विभाग महिलाओं को रोजगार से जोड़ने पर भी लगातार काम कर रहा है। विशेष महिला प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से 777 महिला प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार मिला है। इंदौर स्थित ड्राइविंग ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट द्वारा 509 महिलाओं को निःशुल्क वाहन संचालन प्रशिक्षण दिया गया। इससे महिलाओं में आत्मनिर्भरता का भाव और मजबूत हुआ है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है। अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, दिव्यांग और निर्धन वर्ग की 13 हजार से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को छात्रवृत्ति मिल रही है। इससे बड़ी संख्या में बेटियों को प्रशिक्षण जारी रखने में मदद मिल रही है।

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना भी बेटियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के अंतर्गत हजारों बेटियों को उद्योगों में ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग का अवसर मिला है। प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके अभ्यर्थियों में 5660 बेटियाँ शामिल हैं। सागर की सुश्री स्नेहा रजक और रायसेन की सुश्री लिया जैसी युवतियां प्रशिक्षण के बाद रोजगार प्राप्त कर चुकी हैं।

अब वे अपने परिवार को आर्थिक संबल प्रदान कर रही हैं।

महिलाओं को भविष्य की जरूरतों के अनुसार तैयार करने के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से भी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। जीवन तरंग कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिवर्ष लगभग 3000 बेटियों को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं यूएन वीमेन के सहयोग से बेटियों को स्टेम और सॉफ्ट स्किल्स का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इससे बेटियाँ एडवांस तकनीक और नए कार्यक्षेत्रों से जुड़ रही हैं।

परम फाउंडेशन के माध्यम से संचालित आईटीआई कौशल कॉलेजों में भी बड़ी संख्या में बेटियाँ प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। धार जिले के सरदारपुर आईटीआई में संचालित कार्यक्रमों में प्रशिक्षणार्थियों का शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हुआ है। इससे बेटियों के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार हुए हैं। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत भी 64 हजार से अधिक बेटियों को कौशल प्रशिक्षण का लाभ मिला है।

प्रदेश की बेटियां राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। शासकीय महिला आईटीआई बैतूल की प्रशिक्षणार्थी सुश्री त्रिशा तावड़े ने राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद परीक्षा में सेंट्रल ज़ोन में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सम्मानित किया गया। ऑल इंडिया ट्रेड टॉपर्स में मध्यप्रदेश के 10 प्रतिभागियों में 5 बेटियाँ शामिल रहीं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया सांसद श्री गुप्ता का जन्म दिन

नारायण गौशाला में गायों को खिलाया गुड़ और घास, कार्यकर्ताओ ने लंबी उम्र की कामना

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सांसद सुधीर गुप्ता का जन्म दिवस पर बड़ी संख्या में चप्पा -चप्पा भाजपा व मोदी मोदी के नारे बुलंद करते हुए सिंगोली से निकलकर कछाला स्थित नारायण गोशाला पहुचे

मंगलवार को प्रातः की मंगल बेला में भाजपाइयों ने नारायण गोशाला में सर्व प्रथम गौ माता की पूजा अर्चना कर बारी बारी से गौ माता को गुड़ की लापसी एवं हरी घास खिलाकर नीमच मंदसौर संसदीय क्षेत्र के लाडले एवं लोकप्रिय सांसद का जन्म दिवस मनाया इस दौरान जिला भाजपा महामंत्री अशोक विक्रम सोनी ने अपने उद्बोधन में लाडले सांसद की दीर्घायु व लंबी आयु की कामना करते हुए बताया कि विकास पुरुष सांसद का जन्म दिवस गौ शाला में गो माता की पूजा अर्चना कर , गौमाता को हरा घास खिलाकर ओर उनकी सेवा करके मनाना एक बेहद सराहनीय ओर पुण्य कार्य है ।

श्री सोनी ने बताया कि भारतीय संस्क्रति ओर गौ सरक्षण को बढ़ावा मिलता है।

इस मौके पर जावद जनपद पंचायतों के सांसद प्रतिनिधि श्री गोपाल धाकड़ ने सांसद श्री गुप्ता को जन्म दिवस के बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने स्थानीय गौ शाला में सांसद सुधीर गुप्ता का जन्म दिन पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा गौ माता की विशेष पूजा अर्चना की ओर उन्हें अपने हाथों से हरी घास व घुड़ की बनी लापसी खिलाकर सांसद श्री गुप्ता की लंबी आयु की कामना की

श्री धाकड़ ने बताया यह आयोजन समाज मे जीव दया के संदेश को बढ़ावा देने और भारतीय संस्क्रति के अनुसार जन्म दिन मनाने का एक अनूठा उदाहरण है।

इस अवसर पर सिंगोली नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश कुमार बगड़ा ने सांसद सुधीर गुप्ता को नगर सिंगोली की समस्त जनता की ओर बधाई एवं शुभकामनाए प्रेषित करते हुए बताया कि गौ माता की सेवा यह बहुत ही सकारात्मक और प्रशसनीय पहल है

अक्सर असली भाजपा कार्यकर्ता और नेता अपने लोकप्रिय जनप्रतिधि सांसद जी का जन्म दिन इसी तरह समाज सेवा और धार्मिक कार्यो के साथ मनाते है मुझे बड़ा गर्व है आज सिंगोली , भोपाल और दिल्ली तक ट्रिपल इंजिन की सरकार होकर पूरे विश्व मे मोदी जी का डंका बज रहा है।

सांसद सुधीर गुप्ता के जन्म दिवस के अवसर पर नारायण गौ शाला में विशेष रूप से जिला भाजपा महामंत्री अशोक सोनी, नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश कुमार बगड़ा, नगर परिषद उपाध्यक्ष मोतीलाल धाकड़, जावद जनपद पंचायतों के सांसद प्रतिनिधि गोपाल धाकड़, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि राजकुमार मेहता, भाजपा के वरिष्ट नेता दिनेश जोशी जनपद सदस्य मदनलाल धाकड़ मंडल महामंत्री ओंकारलाल धाकड़, राधेश्याम धाकड़, कौशल व्यास, सरपंच कमलेश कुमावत अम्बा, सरपंच बब्लू ताल, गुर्जर, सरपंच प्रकाश धाकड़ बड़ी, जगदीश खिंची सरपंच थडोद, पूर्व सरपंच सुगनलाल धाकड़ सहित बड़ी संख्या में भाजपाई उपस्थित रहे।

102 ग्राम एमडी ड्रग के साथ युवक गिरफ्तार, नीमच से लेकर आया था ड्रग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना मल्हारगढ़ पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए 102 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सहायक उपनिरीक्षक मोहन सिंगार पुलिस टीम के रात गश्त पर थे। टीम नारायणगढ़ फंटा प्वाइंट के पास माँ रमा विहार कॉलोनी के सामने वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान नारायणगढ़ की ओर से बिना नंबर की काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल पर एक युवक आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर युवक अचानक बाइक मोड़कर वापस भागने लगा, लेकिन बाइक बंद हो जाने पर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम भगतसिंह बौराना निवासी सेमली मेवाड़ थाना नीमच सिटी जिला नीमच बताया। पुलिस द्वारा संदेह के आधार पर पूछताछ करने पर उसने अपने पास एमडी ड्रग होना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करते हुए पंचों की मौजूदगी में तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी की लोवर की जेब से हरे रंग की पॉलीथीन में रखी पारदर्शी जिपर थैली मिली, जिसमें भूरा-मटमैला पाउडरनुमा पदार्थ भरा हुआ था। जांच एवं अनुभव के आधार पर उक्त पदार्थ एमडी ड्रग पाया गया। इलेक्ट्रॉनिक कांटे से तौल करने पर पदार्थ का वजन 102 ग्राम निकला। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक एप्पल आईफोन मोबाइल, बिना नंबर की बजाज पल्सर मोटरसाइकिल भी जब्त की। पूछताछ में आरोपी भगत सिंह ने पुलिस को बताया कि वह यह एमडी ड्रग दीपकसिंह निवासी सगराना जिला नीमच से लेकर आया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 8/22 एवं 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही मादक पदार्थ सप्लाई करने वाले आरोपी दीपकसिंह की तलाश भी की जा रही है।

सीतामऊ व सुवासरा क्षेत्र के 10 किसानों से नरवाई जलाने पर 25 हजार रुपए का अर्थ दंड वसूला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन पर्यावरण विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा 1981 की धारा 19 (5) के तहत गेंहू/धान अवशेषों को खेतों मे ही जलाये जाने पर प्रतिबंधित किया गया है। जो भी व्यक्ति/संस्था यदि ऐसा करते पाए जाते है तो उसे माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार पर्यावरण मुआवजा अदा करना होगा। अनुविभागीय अधिकारी द्वारा सीतामऊ क्षेत्र के 10 किसानों से गेहूं फसल की खेतों में नरवाई/ पराली जलाने पर 25 हजार रुपए का अर्थ दंड वसूल किया गया। इनमें ग्राम देवरिया विजय की पार्वती बाई एवं कीर्तिराजसिंह, ग्राम रुणीजा के दुर्गाशंकर एवं सत्तार, ग्राम बर्डिया की श्यामुबाई, ग्राम चापाखेड़ी के शासकीय भूमि बटाईदार समरतसिंह, ग्राम घसोई की कृष्णाकुंवर, ग्राम कराड़िया की बगतबाई, ग्राम गैलाना के सुरेशसिंह, ग्राम कुंडला के (दशरथ, बगदीराम, गोपाल बटाईदार बालाराम) जिन पर 2500-2500 रुपए का अर्थदंड लगाया गया। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे फसल अवशेषों को जलाने के बजाय वैकल्पिक उपाय अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें।

सीतामऊ पुलिस ने गरोठ के सूरजना एमडी फैक्टरी में फरार सरगना को किया गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाना निरीक्षक कमलेश प्रजापति एवं उनकी टीम ने गरोठ के सूरजना एमडी फैक्टरी में फरार सरगना हुकुम सिंह को गिरफ्तार किया है, जिसे आज गुरुवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड की डिमांड की जाएगी। गौरतलब है कि पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम एवं फरार अपराधियो के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही करने के निर्देश दिये है, जो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ हेमलता कुरील व एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के निर्देशन में सम्पत्ती संबंधी अपराधियो की धरपकड के लिए एक विशेष टीम गठीत की गई। घटना अनुसार 08.02.26 को थाना गरोठ पुलिस द्वारा मुखबीर सूचना पर ग्राम सूरजना थाना गरोठ में धनराज सीकलीगर के खेत पर बने कुए पर दबीश दी थी, जिस पर एमडी फैक्टरी के विरुध्द कार्यवाही की जाकर एनडीपीएस एक्ट का कायम किया जाकर विवेचना में लिया गया था। उक्त प्रकरण में पुलिस के द्वारा अभी 05 आरोपी गिरफ्तार किये जा चुके है एवं प्रकरण में फरार मास्टर माईण्ड आरोपी होकमसिंह पिता दुर्गासिंह सोधिया उम्र 29 साल निवासी दसोरिया थाना गरोठ को गिरफ्तार किया गया है, जो आरोपी से पुछताछ जारी है एवं प्रकरण में पूछताछ के आधार पर अग्रीम विवेचना कार्यवाही की जारही है। उक्त सराहनीय कार्य में निरीक्षक कमलेश प्रजापति, उपनिरीक्षक विनय बुंदेला एवं सायबर सेल टीम मन्दसौर का विशेष योगदान रहा।

बिना अनुज्ञा गेहूं परिवहन पर मंडी प्रशासन की कार्रवाई, 31 हजार से अधिक की वसूली

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी मंदसौर द्वारा बिना अनुज्ञा पत्र के कृषि उपज परिवहन करने वाले वाहन पर कार्रवाई करते हुए कुल 31 हजार 813 रुपए की वसूली की गई। मंडी सचिव लक्ष्मण सिंह ठाकुर ने बताया कि मंडी निरीक्षण दल द्वारा 20 मई 2026 को मंडी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान एक वाहन को रोककर जांच की गई। जांच में वाहन क्रमांक में 173.55 क्विंटल गेहूं बिना अनुज्ञा पत्र के परिवहन किया जाना पाया गया। कृषि उपज के परिवहन संबंधी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने पर मंडी निरीक्षण दल द्वारा मौके पर पंचनामा तैयार कर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के तहत पांच गुना शुल्क राशि 22 हजार 344 रुपए, निराश्रित शुल्क 4 हजार 469 रुपए तथा समझौता शुल्क 5 हजार रुपए सहित कुल 31 हजार 813 रुपए की राशि जमा कराई गई।

कच्चे घर से पक्की छत तकः दलपतपुरा के चंपालाल का सपना हुआ पूरा, पीएम आवास योजना बनी सहारा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पहले बारिश आते ही पूरी रात जागकर बितानी पड़ती थी। छत टपकती थी, दीवारें गल जाती थीं। अब अपने पक्के घर में सुकून की नींद आती है। यह कहना है जनपद पंचायत नीमच के ग्राम दलपतपुरा निवासी चंपालाल-नंदा भील का, जिनका वर्षों पुराना पक्के मकान का सपना अब प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत साकार हो गया है।

दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करने वाले चंपालाल का परिवार लंबे समय से मिट्टी और खपरैल के कच्चे मकान में रह रहा था। बरसात के दिनों में घर में पानी भर जाता था और सर्दी-गर्मी में भी परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पक्का मकान बनवाना उनके लिए किसी सपने से कम नहीं था।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत चंपालाल का चयन होने के बाद उन्हें 1 लाख 20 हजार रुपए की सहायता राशि स्वीकृत हुई। इसके साथ ही महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत 90 मानव दिवस का अतिरिक्त लाभ भी मिला। शासन की मदद और स्वयं के श्रम से चंपालाल ने अपने परिवार के लिए मजबूत पक्का मकान तैयार किया।

अब चंपालाल का परिवार सुरक्षित और सुविधायुक्त पक्के घर में रह रहा है। मजबूत दीवारें, पक्की छत और बेहतर वातावरण ने परिवार की जिंदगी बदल दी है। बच्चों को भी अब सुरक्षित माहौल मिल रहा है और परिवार में नई उम्मीद जगी है।

चंपालाल ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सरकार ने गरीबों का दर्द समझा है। अब उनके सिर पर अपनी पक्की छत है और भविष्य को लेकर चिंता काफी कम हो गई है।

इधर, जिला पंचायत नीमच द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को समय पर आवास उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। हर गरीब को छत, हर परिवार को सम्मान के संकल्प के साथ जिले में योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

हाल ही में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव ने ग्राम दलपतपुरा में आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान चंपालाल के घर पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकान का निरीक्षण किया और परिवार से चर्चा कर योजनाओं का फीडबैक लिया।

नाटाराम के शानू पठान पर पीट एनडीपीएस की कार्रवाई हुई, केन्द्रीय जेल इंदौर दाखिल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाना निरीक्षक कमलेश प्रजापति एवं उनकी पुलिस टीम ने ग्राम नाटाराम के शानू पठान पर पीट एनडीपीएस की कार्रवाई हुई, जिसे गिरफ्तार कर केन्द्रीय जेल इंदौर दाखिल किया गया है।

मप्र शासन एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले आरोपियों के विरूद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्रसारित किये गये है। उक्त निर्देशों के अनुपालना हेतु पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना द्वारा जिले में समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है। अवैध मादक पदार्थ के तस्करों पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ हेमलता कुरील व एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कमलेश प्रजापति थाना सीतामऊ द्वारा आदतन अवैध मादक पदार्थ तस्कर शानु उर्फ शाहनवाज पिता जमिल खान पठान उम्र 38 साल निवासी नाटाराम के विरूद्ध स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्यवाही कर प्रतिवेदन पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला दण्डाधिकारी मंदसौर के माध्यम से आयुक्त महोदय उज्जैन को प्रेषित किया गया था. जिसमें स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अवैध व्यापार निवारण अधिनियम के तहत निरोधात्मक आदेश पारित किया गया है, जिसे दिनांक 20.05.26 को गिरफ्तार कर आज दिनांक को केन्द्रीय जेल इंदौर दाखिल किया गया। गौरतलब है कि जिले के सूचीबद्ध अवैध मादक पदार्थ तस्करी में संलिप्त अपराधियों के आपराधिक रिकॉर्ड को पोर्टल के माध्यम से अद्यतन किया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत दिनेश प्रजापति अनुविभागीय अधिकारी द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करी में संलिप्त आरोपियों के रिकॉर्ड को अद्यतन कर उनका डोजियर निर्मित किया है, जिसमें शानु उर्फ शाहनवाज पिता जमिल खान पठान उम्र 38 साल निवासी नाटाराम पर कुल 06 अपराध पंजीबद्ध है जिसमें से 05 अपराध अवैध मादक पदार्थ तस्करी के है, जिसमें म0प्र0 के जिला मंदसौर के अफजलपुर, सीतामऊ, सुवासरा व थाना ब्यावरा जिला राजगढ में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के अपराध है। इस प्रकार आरोपी कुख्यात अवैध मादक पदार्थ की तस्करी का कुख्यात तस्कर बन चुका है।

सड़क दुघर्टना में आर्यिका श्रुतमति माताजी व आर्यिका उपशममति माताजी की समाधि

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज से दीक्षित आर्यिका श्रुतमति माताजी व आर्यिका उपशममति माताजी का 20 मई बुधवार को प्रातः काल रीवा मध्यप्रदेश के कलेक्टरी चोराहे के पास दुर्घटना में समाधि हो गई बताया जाता है सुबह जंगल सोच के लिए जा रही थी उसी समय किसी बड़े वाहन ने उन्हें कुचल दिया दो अन्य माताजी भी चपेट में आने से बच गई। वर्तमान में आर्यिका सौम्यमती माताजी के संघ में विराजमान थीआर्यिका श्रुत माता जी की आर्यिका दीक्षा 13 फरवरी 2006 को सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर में आचार्य भगवन श्री विद्यासागर महाराज के कर कमलों से हुई थी।

29 मई 1998 को भाग्योदय तीर्थ सागर में आचार्य श्री विद्यासागर महाराज से उन्होंने आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत लिया था उच्च शिक्षित माताजी ने एमएससी मानव शास्त्र और एम.ए. संस्कृत से किया थासागर नगर के रामपुरा वार्ड की निवासी थी। वही आर्यिका उपशममति माताजी ग्रहस्त अवस्था का नाम वाणी जैन था उनका जन्म 26 मई भी 1979 को चैय्यर, तमिलनाडु में माता श्रीमति लक्ष्मी बाई जैन पिता देवकुमार जी के घर पर हुआ उन्होंने बैचलर आफ कामर्स भी .काम प्रथम वर्ष तक पढ़ाई की उसके पश्चात आध्यात्मिक मार्ग पकड़ा उन्होंने 1999 में तमिलनाडु के पुन्नुर मलाई में ब्रह्मचर्य प्रतिज्ञा ली ओर 13 फरवरी 2006 को आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से आर्यिका श्री उपशममति माताजी के रुप में दीक्षा सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर दमोह में हुई आज प्रातः काल जैसे ही सड़क दुघर्टना में समाधि कि सुचना से जैन जगत में शौक कि लहर दौड़ गई वही माताजी कि डोल यात्रा में बडी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

जनप्रतिनिधि जागें!...सालों से चली आ रही ट्रामा सेन्टर की मांग को पूरा करें- समाजसेवी पार्षद बंसल

ट्रामा सेंटर के लिए तरस रहे हैं लोग हर काम के लिए करना पड़ता है आंदोलन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाजसेवी पार्षद सुनील बंसल ने एक वक्तव्य ने कहा कि काफी लंबी लड़ाई के बाद हमें मेडिकल कॉलेज प्राप्त हुआ। इसी तरह ट्रामा सेंटर की लड़ाई भी लंबे समय से मंदसौर की जनता लड़ती चली आ रही है। मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति में ट्रामा सेंटर की स्वीकृति का कहीं उसमें उल्लेख नहीं था। मंदसौर में जिला चिकित्सालय में ट्रामा सेंटर के लिए पिछले 15 सालों से राशि भी स्वीकृत थी परंतु नेतागिरी के चक्कर में ट्रामा सेंटर मंदसौर जिला चिकित्सालय परिसर में नहीं बन पाया। वह राशि लेप्स हो गई। मात्र 7000 फीट की जगह में ट्रामा सेंटर बनकर तैयार होता है। छोटे से छोटे हॉस्पिटल में ट्रामा सेंटर होते हैं परंतु मंदसौर जिला चिकित्सालय जिला मुख्यालय पर होने के बाद भी यहां पर ट्रामा सेंटर नहीं होना निश्चित रूप से शर्मनाक है और जनप्रतिनिधियों की जागरूकता पर सवाल उठाता है।

श्री बंसल ने कहा कि ट्रामा सेंटर होता है तो गंभीर दुर्घटना से पीड़ित लोगों की जान बचाई जा सकती है। क्योंकि अब मंदसौर बायपास पर अनेक प्रकार की दुर्घटनाओं के केस तुरंत जिला चिकित्सालय में आते हैं उन्हें प्राथमिक उपचार शीघ्र मिले एवं मरीज की जान बच सके। ट्रामा सेंटर के अंदर पूरा स्टाफ रहता है।

ट्रामा सेंटर मेडिकल ओर एंबुलेंस आदि सारी सुविधाओं से लैस होता है और 7000 फीट की जगह जिला चिकित्सालय परिसर में उपलब्ध है अगर ट्रामा सेंटर बनाना है तो निश्चित रूप से चिकित्सा क्षेत्र की एक वर्षों से चली आ रही मांग पूरी होती है।

श्री बंसल ने कहा कि इस दिशा जनप्रतिनिधियों में दृढ़ इच्छाशक्ति का अभाव है। सांसद सुधीर गुप्ता को भी अवगत कराया जा चुका है। क्या ही बेहतर होता यदि तीसरी बार सांसद बने श्री गुप्ता अपने जन्मदिन पर ही संकल्प लेते कि जब तक ट्रामा सेंटर नहीं बनेगा तब तक मैं कोई माला गले में धारण नहीं करूंगा। श्री बंसल ने कहा कि मैं पुनः सांसद सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद बंसीलाल गुर्जर, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, विधायक विपिन जैन आदि नेताओं से अनुरोध करता हूं कि आपको अगर मंदसौर जिले की जनता से प्यार है तो आप सर्वप्रथम ट्रामा सेंटर के लिए जिला चिकित्सालय में जगह चयन कर ट्रामा सेंटर का काम प्रारंभ करवाएं।

मेट्रो बस सर्विस के मालिक व कांग्रेस नेता, हाजी बशीर मोहम्मद मंसूरी सुपुर्द खाक

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम झांतला के प्रतिष्ठित परिवार व मेट्रो बस के मालिक एवं कांग्रेस के कद्दावर नेता हाजी जनाब बशीर मोहम्मद मंसूरी का मंगलवार की रात में इंतकाल हो गया। वे लंबे समय से डायबिटीज की बीमारी से मुकाबला कर रहे थे लेकिन मंगलवार शाम 6 बजे उनकी तबियत अचानक बिगड़ने से परिजन उन्हें भीलवाड़ा अस्पताल लेकर गये जंहा इलाज के दौरान वह हमेशा के लिए अलविदा हो गये

जिनका,अंतिम जनाजा व मयत बुधवार सुबह 10ः00 बजे निज,आवास से निकला जो पुराना बस स्टैंड स्थित कब्रिस्तान पर मुस्लिम समाज जनों द्वारा नमाज अदाकार उनके पुत्र आजाद मंसूरी इकबाल मंसूरी रईस मंसूरी द्वारा,महरूम को सुपर्द खाक किया गया।

जनाब हाजी बशीर मोहम्मद के निधन से समाज सहित आसपास के क्षेत्र में गहरा दुख हुआ है। वे सामाजिक धार्मिक व खेलकूद में हमेशा अग्रणी रहते थे। आपकी नेकियों और यादों को हमेशा सजोकर रखा जाएगा। बशीर मोहम्मद मंसूरी धार्मिक ईमानदार, कर्तव्य निष्ट नेकदिल इंसान थे।

आपके इस अंतिम सफर में बड़ी संख्या में समाज सहित हाजी सलीम मोहम्मद मंसूरी हाजी कदीर बख्श मंसूरी, ख्वाजा हुसैन डॉक्टर बशीर मोहम्मद मंसूरी शहजाद पठान पत्रकार एम,डी मंसूरी,जुल्फिकार भुट्टो नारू मोहम्मद मंसूरी,फखरुद्दीन मंसूरी मोहम्मद हुसैन मंसूरी अध्यापक जम्मू कुमार जैन राजेश खेर पूर्व ब्लाक अध्यक्ष मनीष जैन पत्रकार सतीश सेन जनपद प्रतिनिधि राजेश शर्मा संतोष कुमार छिपा ओमप्रकाश नाथ गणेश माली बलराम सेन आदि कई गणमान्य नागरिक उपस्थित मरहूम बशीर मोहम्मद मंसूरी के लिए अल्लाह से मेहरूम की,मगफिरत फरमाए उन्हें जन्नत फिरदौस में आला मकान सर्वोच्च स्थान दे महरूम के घर वालों को सबरे जमील अता फरमाए यह कामना के साथ,खिराजे अकीदत पेश की।

पुलिस विभाग में पदस्थ शांतिलाल चौधरी के निधन पर एक करोड़ 10 लाख की राहत राशि प्रदान

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस विभाग में पदस्थ शांतिलाल चौधरी के निधन पर एक करोड़ 10 लाख की राहत राशि प्रदान की गई है। आश्रित सदस्यों को पुलिस सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना द्वारा परिवारजन को चेक सौंपा गया है। मंदसौर पुलिस विभाग में पदस्थ प्रधान आरक्ष शांतिलाल चौधरी जिनका माह अक्टूबर वर्ष 2025 में दुर्घटना के पश्चात अस्पताल में उपचाररत रहते दुखद निधन हो गया था। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त जिले के पुलिस अधिकारी कर्मचारियों एवं उनके परिवारजन को बेहतर सुविधा प्रदाय करने के उद्देश्य से पुलिस सैलरी पैकेज (पीएसपी) योजना के अंतर्गत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से अनुबंध किया गया है जिसके अंतर्गत दुर्घटना में पुलिस विभाग के किसी भी कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है तो उस कर्मचारी के आश्रित परिवारजन को योजना के 01 करोड़ रुपए की सहायता राशि का भुगतान किया जाता है।

नीमच जिले में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बचा रही हैं 324 बगिया

भीषण गर्मी में टैंकर-ड्रिप से सिंचाई, वायर फेंसिंग से सुरक्षा, 300 के विरुद्ध 324 बगिया स्थापित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक बगिया माँ के नाम जिले में महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण का अनुपम उदाहरण बन रही है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्र की महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य हितग्राही रोपित फलदार पौधों को जीवन देने में जुटी हैं। जिले में 300 बगिया के लक्ष्य के विरुद्ध 324 बगिया स्थापित की जा चुकी हैं। प्रत्येक हितग्राही महिला द्वारा संतरा, नींबू और अमरूद के 100-100 पौधे लगाए गए हैं, जिन्हें एक वर्ष पूर्ण होने को है। गर्मी में विशेष प्रबंधः भीषण गर्मी में पौधों को जीवित रखने के लिए महिलाएं टैंकर व ड्रिप सिस्टम के माध्यम से सिंचाई कर रही हैं। पौधों की सुरक्षा हेतु हितग्राहियों द्वारा वायर फेंसिंग का कार्य भी किया जा रहा है। सतत निगरानी एवं मार्गदर्शनः कृषि सखियों एवं ग्राम पंचायत द्वारा हितग्राहियों से समय-समय पर संपर्क कर पौधों को पानी पिलाने, खरपतवार हटाने एवं कीटनाशक दवा का छिड़काव करने की सलाह दी जा रही है। कृषि सखी संगीता मालवीय द्वारा ग्राम तालखेड़ा, कुचडौद एवं फोफलिया में परियोजना की हितग्राही महिलाओं को आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।यह परियोजना न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि माँ के नाम पर लगाए गए ये पौधे आने वाली पीढ़ियों के लिए हरियाली और पोषण सुरक्षा की गारंटी भी बन रहे हैं। ग्राम पंचायत कुचडौद के गांव परासली में नाथी बाई भंवरलाल अहिरवार के संतरे के बगीचे में कृषि सखी संगीता समय-समय पर पौधे को पानी पिलाने, खरपतवार हटाने और कीटनाशक दवा का छिड़काव करने की सलाह दे रही हैं।

सम्पादकीय

स्वच्छ हवा का मोलः बजट ने तय कर दिया कि यह अब विलासिता है

हवा में घुलता ज़हर जब रोज़मर्रा की सच्चाई बन जाए, तब नीतियों की प्राथमिकताएँ सवालों के घेरे में आ जाती हैं। वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में प्रदूषण नियंत्रण योजना के लिए केवल 1091 करोड़ रुपये रखे गए हैं, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 1300 करोड़ रुपये थी—यानी 209 करोड़ रुपये की कमी। यह कटौती ऐसे समय हुई है जब दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत में वायु प्रदूषण जानलेवा स्तर पर है। सांस संबंधी बीमारियों के मरीज अस्पतालों में लगातार बढ़ रहे हैं और इलाज का खर्च भी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में यह कमी स्वास्थ्य सुरक्षा पर सीधा दबाव बढ़ाती है। विकास के नाम पर क्या हम अपनी ही सांसों की कीमत चुका रहे हैं—यह प्रश्न अब अनदेखा नहीं किया जा सकता।

साफ हवा अब अधिकार नहीं, चुनौती बनती जा रही है, और इसका बोझ सीधे स्वास्थ्य व्यवस्था पर दिख रहा है। भारत में बाहरी और घरेलू वायु प्रदूषण मिलाकर हर वर्ष लगभग 15ङ्ग20 लाख असमय मौतों से जुड़ा माना जाता है। दिल्ली-एनसीआर में पीएम-2.5 का लगातार ऊँचा स्तर जीवन प्रत्याशा को 8.2 वर्ष (2025 एक्यूएलआई रिपोर्ट) तक घटा रहा है। 2022ङ्ग2024 के बीच दिल्ली के छह प्रमुख अस्पतालों में 2 लाख से अधिक तीव्र श्वसन संक्रमण (एआरआई) के मामले आए, जिनमें 30,424 मरीजों को भर्ती करना पड़ा। आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि पीएम-2.5 में हर 10 इकाई वृद्धि पर श्वसन रोगों के अस्पताल मामलों में 7 की बढ़ोतरी होती है। ऐसे समय में जब स्वास्थ्य सुधार की बातें होती हैं, प्रदूषण नियंत्रण फंड में कटौती स्थिति को और कमजोर करती है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) की धीमी रफ्तार आम लोगों की सेहत पर सीधा असर डाल रही है। यह कटौती केवल बजट का बदलाव नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य पर सीधा असर डालने वाला निर्णय है। जहरीली हवा का प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं—तीनों पर साफ दिख रहा है; बच्चे सांस की तकलीफ झेल रहे हैं, बुजुर्गों में हृदय रोग बढ़ रहे हैं। महिलाएं घरेलू कामों के साथ बाहर की जहरीली हवा सहन कर रही हैं। एक अध्ययन के अनुसार दिल्ली में पीएम-2.5 के हर 10 यूनिट बढ़ने पर हृदय संबंधी अस्पताल भर्ती में लगभग 2त्न (दिल्ली पायलट अध्ययन) की वृद्धि होती है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और एनसीएपी के संसाधन घटने से निगरानी सख्ती और समाधान तीनों प्रभावित होंगे। पहले ही एनसीएपी/एक्सवी-एफसी फंड्स का उपयोग केवल 74त्न तक सीमित रहा है। नई कटौती से स्थिति और गंभीर होने की आशंका है। आमजन की सांसें महंगी हो रही हैं, लेकिन सरकार का फोकस अन्य क्षेत्रों पर केंद्रित दिख रहा है।

अस्पतालों पर बढ़ता दबाव अब व्यवस्था की वास्तविक स्थिति दिखा रहा है। इस कटौती से पहले से कमजोर स्वास्थ्य ढांचा और प्रभावित हुआ है। सरकारी अस्पतालों में बेड की कमी और डॉक्टरों पर बोझ लगातार बना है। प्रदूषण के कारण क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज़ (सीओपीडी), अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और हृदय रोग के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और कठिन है, जहां सुविधाएं सीमित हैं। बजट 2026 में स्वास्थ्य क्षेत्र को वृद्धि मिली है, लेकिन प्रदूषण से होने वाली बीमारियों का खर्च उस बढ़ोतरी को निगल जाएगा। डब्ल्यूएचओ और लैंसेट के अनुसार वायु प्रदूषण कैंसर, स्ट्रोक और हृदय रोगों का बड़ा कारण है। यदि फंड कटौती जारी रही, तो स्वास्थ्य बजट का अधिकांश हिस्सा इलाज में ही खर्च होगा, रोकथाम पीछे रह जाएगी। जब स्वच्छ हवा का अधिकार संकट में हो, तब आधे-अधूरे कदम पर्याप्त नहीं होते। प्रदूषण नियंत्रण फंड को बहाल कर बढ़ाना जरूरी है और एनसीएपी को मजबूत बनाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा, सड़क धूल नियंत्रण, पराली जलाने पर रोक और औद्योगिक उत्सर्जन पर सख्त निगरानी आवश्यक है। आमजन को भी जागरूक होना पड़ेगा। मास्क का उपयोग, सार्वजनिक परिवहन अपनाना, घरों में हरियाली और वृक्षारोपण जैसे छोटे प्रयास भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट और कई अध्ययन स्पष्ट कर चुके हैं कि स्वच्छ वायु मौलिक अधिकार है, इसलिए बजट और नीतियों में इसकी रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। हालात की गंभीरता के बीच कुछ सकारात्मक संकेत जरूर हैं, लेकिन वे बढ़ते संकट के सामने बहुत छोटे लगते हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को 123 करोड़ रुपये का आवंटन मिला है, जो पिछले संशोधित अनुमान से थोड़ा अधिक है, साथ ही पर्यावरण शिक्षा और क्षमता निर्माण पर भी बढ़ोतरी हुई है। लेकिन ये सीमित प्रयास उस बड़े संकट के सामने पर्याप्त नहीं हैं, जहां दिल्ली की हवा लगातार दुनिया की सबसे खराब श्रेणी में बनी रहती है और गाजियाबाद का लोनी जैसे क्षेत्र दुनिया की सबसे प्रदूषित सूची में शीर्ष पर दिखाई देते हैं। एनसीएपी के 40त्न लक्ष्य की प्रगति अभी भी धीमी है। ऐसे परिदृश्य में आंशिक सुधार नहीं, बल्कि समग्र और दीर्घकालिक रणनीति की आवश्यकता है, जिसमें केंद्र, राज्य और नागरिक मिलकर वास्तविक बदलाव की दिशा में काम करें। विकास का असली पैमाना वही है जिसमें हर नागरिक सुरक्षित सांस ले सके। बजट 2026 की यह कटौती स्पष्ट करती है कि आर्थिक प्रगति और पर्यावरणीय स्वास्थ्य एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि साथ चलने वाली जरूरतें हैं।

वर्तमान में स्थित होकर जीवन को आनंदमय बनाने की प्रेरणा दे रहा सहजयोग

आज का मनुष्य समय के तीन आयामों—भूत, वर्तमान और भविष्य—में उलझा हुआ है, किंतु विडंबना यह है कि वह सबसे कम समय वर्तमान में जी पाता है। कुछ लोग भूतकाल की स्मृतियों, सफलताओं या असफलताओं में खोए रहते हैं, जबकि कुछ भविष्य की चिंताओं और इच्छाओं में। परिणामस्वरूप वर्तमान का अमूल्य क्षण उनसे दूर होता चला जाता है।

वास्तव में वर्तमान को वही जी पाता है जो योगी बनता है, क्योंकि भोगी का जीवन केवल सांसारिक सुख-सुविधाओं, धन और विलासिता तक सीमित रह जाता है। परंतु जीवन का वास्तविक आनंद बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि भीतर की शांति और संतुलन में निहित है।

जब हम वर्तमान में जीना आरंभ करते हैं, तभी हमारा भविष्य स्वतः ही उज्ज्वल बनने लगता है। वर्तमान ही भविष्य की नींव है। भूतकाल की असफलताओं पर खेद या सफलताओं पर अहंकार, दोनों ही वर्तमान की ऊर्जा को क्षीण कर देते हैं और भविष्य को भी कठिन बना देते हैं।

यदि हम अपनी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्थिति को संतुलित रखते हुए जीवन जीना सीख लें, तभी हम सच्चे अर्थों में ÷वर्तमान में स्थित÷ हो पाते हैं। यही स्थिति योग की ओर ले जाती है। लेकिन केवल इस जन्म का ही नहीं, जन्म-जन्मांतरों के संस्कारों और अनुभवों का प्रभाव भी हमारे अचेतन मन में विद्यमान रहता है। यही प्रभाव वर्तमान जीवन में तनाव, भय, असंतुलन और मानसिक अशांति का कारण बनता है। प्रश्न यह है कि इन बंधनों से मुक्ति कैसे मिले?

इसका सहज और प्रभावशाली समाधान है – सहजयोग ध्यान।

सहजयोग के अनुसार हमारे सूक्ष्म तंत्र में तीन प्रमुख नाड़ियाँ होती हैं। ईड़ा नाड़ी – भूतकाल और भावनाओं की नाड़ी, पिंगला नाड़ी – भविष्य और कर्म की नाड़ी, सुषुम्ना नाड़ी – वर्तमान और संतुलन की नाड़ी

जब ये तीनों नाड़ियाँ संतुलित होती हैं, तब मनुष्य सहज रूप से वर्तमान में स्थित हो जाता है। पंचतत्व इस संतुलन को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेष रूप से धरती तत्व ईड़ा नाड़ी को संतुलित कर व्यक्ति को भूतकाल के बोझ से मुक्त करता है।सहजयोग ध्यान के माध्यम से इस दिव्य शक्ति का अनुभव तुरंत किया जा सकता है। आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होते ही व्यक्ति अपने भीतर शांति, संतुलन और आनंद का अनुभव करने लगता है। यही अनुभव जीवन को एक नई दिशा देता है। आइए, सहजयोग से जुड़कर अतीत के बंधनों से मुक्त हों और एक आनंदमय, संतुलित एवं जागृत जीवन का अंगीकार करें।

अपराधमुक्त राजनीति से ही संभव है नया भारत-विकसित भारत

भारत आज एक ऐतिहासिक संक्रमण काल से गुजर रहा है। एक ओर देश विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, वैश्विक मंचों पर भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व राजनीति और कूटनीति के केंद्र में उभर रहा है, वहीं दूसरी ओर भारतीय राजनीति में अपराध, धनबल और बाहुबल की बढ़ती पैठ लोकतंत्र की आत्मा को आहत कर रही है। यह विडंबना ही है कि जिस भारत को विश्वगुरु बनने का स्वप्न दिखाया जा रहा है, उसकी राजनीति अभी भी अपराधमुक्त नहीं हो सकी है। हाल ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद सामने आए आंकड़ों ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। समाचार पत्रों में प्रकाशित एडीआर (ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिपोर्ट) की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम बंगाल विधानसभा के लगभग 65 प्रतिशत विधायक आपराधिक मामलों वाले हैं, जबकि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। रिपोर्ट के अनुसार 294 विधायकों में से 190 विधायकों ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले घोषित किए हैं तथा लगभग 142 विधायकों पर गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इनमें हत्या, हत्या के प्रयास, महिलाओं के विरुद्ध अपराध और अन्य गंभीर मामले भी शामिल हैं।

यह केवल पश्चिम बंगाल की स्थिति नहीं है। संसद और देश की अनेक विधानसभाओं की स्थिति भी इससे बहुत अलग नहीं है। पिछले कुछ वर्षों के चुनावी विश्लेषण बताते हैं कि उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना सहित अनेक राज्यों में बड़ी संख्या में ऐसे जनप्रतिनिधि चुनकर आए हैं जिन पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। लोकतंत्र के मंदिरों में अपराध और दागी छवि वाले लोगों की बढ़ती उपस्थिति आज राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुकी है। राजनीति मूलतः लोकसेवा, नैतिक नेतृत्व और राष्ट्रनिर्माण का माध्यम मानी गई थी। महात्मा गांधी, जयप्रकाश नारायण, लाल बहादुर शास्त्री, अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं ने राजनीति को मूल्य आधारित दिशा दी। लेकिन समय के साथ राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता का स्थान धीरे-धीरे चुनावी गणित, धनबल और प्रभावशाली समूहों ने लेना शुरू कर दिया। आज कई राजनीतिक दल उम्मीदवार चयन में योग्यता, चरित्र और जनसेवा की बजाय जीतने की क्षमता को प्राथमिकता देते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि दागी छवि वाले व्यक्तियों को भी टिकट देने में संकोच नहीं किया जाता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र की राजनीति में आने के बाद अनेक मंचों से राजनीति के अपराधीकरण पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने संसद में और सार्वजनिक मंचों पर कई बार कहा कि राजनीति को अपराधमुक्त बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के शीघ्र निपटान के लिए विशेष अदालतों की आवश्यकता पर बल दिया। किंतु चिंता का विषय यह है कि आज भी लगभग सभी राजनीतिक दलों की स्थिति समान दिखाई देती है। चुनाव जीतने की मजबूरी और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के कारण दल अपराधी और दागी उम्मीदवारों को टिकट देने से परहेज नहीं कर पा रहे हैं। इस स्थिति के पीछे कई कारण हैं। पहला कारण है चुनावों का अत्यधिक खर्चीला होना। आज चुनाव लड़ना सामान्य व्यक्ति की क्षमता से बाहर होता जा रहा है। बड़े संसाधनों वाले और आर्थिक रूप से प्रभावशाली लोग चुनावी प्रक्रिया में अधिक सक्रिय हो रहे हैं। दूसरा कारण है बाहुबल और प्रभाव का उपयोग। कई क्षेत्रों में आज भी राजनीतिक प्रभाव स्थापित करने के लिए शक्ति प्रदर्शन को महत्वपूर्ण माना जाता है। तीसरा कारण है न्यायिक प्रक्रिया की धीमी गति। गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों के वर्षों तक लंबित रहने के कारण आरोपी चुनाव लड़ते रहते हैं और जनप्रतिनिधि बन जाते हैं।

राजनीति में अपराधीकरण का दूसरा बड़ा पक्ष है धनबल। पश्चिम बंगाल विधानसभा के आंकड़े बताते हैं कि 61 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं। यह प्रवृत्ति पूरे देश में दिखाई देती है। संसद और विधानसभाओं में करोड़पति जनप्रतिनिधियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रश्न यह है कि क्या लोकतंत्र धीरे-धीरे सामान्य नागरिक की पहुंच से दूर होता जा रहा है? यदि राजनीति केवल धनवान और प्रभावशाली वर्गों तक सीमित हो जाएगी तो लोकतंत्र की समावेशी भावना कमजोर होगी। इन परिस्थितियों में नागरिक समाज और लोकतांत्रिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारतीय मतदाता संगठन इस दिशा में उल्लेखनीय प्रयास कर रहा है। इसके संस्थापक रिखबचंद जैन के नेतृत्व में लंबे समय से राजनीति को स्वच्छ और अपराधमुक्त बनाने की दिशा में जनजागरण अभियान चलाए जा रहे हैं। संगठन मतदाता जागरूकता, नैतिक मतदान, स्वच्छ राजनीति और जिम्मेदार नागरिकता को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। लोकतंत्र को केवल चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि मूल्य आधारित व्यवस्था मानते हुए यह संगठन समाज को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है कि मतदाता केवल जाति, धर्म, क्षेत्र या दलगत निष्ठा के आधार पर नहीं, बल्कि उम्मीदवार के चरित्र और सार्वजनिक जीवन को देखकर मतदान करें। इसी प्रकार एडीआर (ऐसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिपोर्ट) जैसे संगठन भी चुनावी पारदर्शिता और जनप्रतिनिधियों की पृष्ठभूमि सार्वजनिक करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। इन संगठनों के कारण आज मतदाताओं को उम्मीदवारों के आपराधिक मामलों, संपत्ति और शिक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध हो रही है। यह लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय चुनाव आयोग भी इस दिशा में लगातार प्रयासरत है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद राजनीतिक दलों को उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड सार्वजनिक करने के निर्देश दिए गए हैं। उम्मीदवारों को शपथपत्र में अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि, संपत्ति और देनदारियों की जानकारी देना अनिवार्य किया गया है। चुनाव आयोग लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चला रहा है। किंतु केवल औपचारिक प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इन प्रयासों को अधिक तीव्र, व्यापक और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। आज आवश्यकता है कि राजनीति के अपराधीकरण के विरुद्ध राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक आंदोलन खड़ा किया जाए। इसके लिए कुछ ठोस कदम आवश्यक हैं- पहला, जिन उम्मीदवारों पर हत्या, बलात्कार, अपहरण, भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोप न्यायालय द्वारा तय हो चुके हों, उनके चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाने पर गंभीर विचार होना चाहिए। दूसरा, जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के त्वरित निपटान हेतु विशेष न्यायालयों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि वर्षों तक मुकदमे लंबित न रहें। तीसरा, राजनीतिक दलों को दागी उम्मीदवारों को टिकट देने पर जवाबदेह बनाया जाए। उन्हें सार्वजनिक रूप से बताना चाहिए कि स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवार उपलब्ध होने के बावजूद दागी व्यक्ति को क्यों चुना गया। चौथा, चुनावी खर्च पर कठोर नियंत्रण और पारदर्शिता लाई जाए ताकि सामान्य और योग्य नागरिक भी राजनीति में प्रवेश कर सकें। पांचवां, मतदाता जागरूकता को जनांदोलन बनाया जाए। जब तक मतदाता स्वयं दागी उम्मीदवारों को अस्वीकार नहीं करेंगे, तब तक सुधार अधूरा रहेगा।

भारत आज जिस दिशा में बढ़ रहा है, वहां राजनीति की शुचिता और नैतिकता की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। यदि हम 2047 तक विकसित भारत बनना चाहते हैं, यदि हमें विश्वगुरु बनना है, यदि भारत को वैश्विक नेतृत्व करना है, तो राजनीति को अपराध और धनबल के प्रभाव से मुक्त करना ही होगा। आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा तभी सार्थक होगी जब लोकतंत्र की आत्मा सुरक्षित रहेगी। राजनीति का उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, समाज निर्माण होना चाहिए। लोकतंत्र केवल वोटों का गणित नहीं, बल्कि विश्वास, नैतिकता और जनप्रतिनिधित्व की पवित्र व्यवस्था है। यदि राजनीति अपराधमुक्त होगी तो शासन अधिक पारदर्शी होगा, जनता का विश्वास बढ़ेगा और राष्ट्रनिर्माण की गति भी तेज होगी। आज आवश्यकता केवल सरकारों या चुनाव आयोग के प्रयासों की नहीं है, बल्कि समाज, मतदाता संगठनों, नागरिक संस्थाओं, मीडिया और जागरूक नागरिकों के संयुक्त अभियान की है। भारतीय मतदाता संगठन जैसे प्रयास इसी दिशा में आशा की किरण हैं। इन प्रयासों को राष्ट्रीय स्वरूप देने की जरूरत है। भारत के विकसित भविष्य की आधारशिला केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि स्वच्छ राजनीति भी है। क्योंकि अपराधमुक्त राजनीति ही विकसित भारत, समृद्ध भारत और विश्वगुरु भारत की वास्तविक पहचान बन सकती है।

-ललित गर्ग

विकास के साथ प्रकृति के विनाश की पटकथा लिख रहा मानव

आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी फल स्वरुप हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जीतनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों मैं बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने ,महानगर बने ,मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली,पक्षी जानवर सब चाहिए केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए । महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है।

-संजीव ठाकुर

ऊर्जा सुरक्षा के लिए कोयला से गैस बनाना भारत की नई राष्ट्रीय प्राथमिकता

दशकों तक भारत में कोयले की एक ही भूमिका रही कि इसे जलाकर बिजली बनाई जाए। आज वही कोयला उर्वरक, इस्पात के कच्चे माल, परिवहन ईंधन और हाइड्रोजन में बदल सकता है। इसे अब सिर्फ ऊर्जा स्रोत के रूप में नहीं बल्कि एक रणनीतिक औद्योगिक कच्चे माल के रूप में देखा जा रहा है। यह बदलाव कोयले से गैस बनाने के कारण ही संभव हुआ है और यह प्रक्रिया अब केवल प्रयोगात्मक नहीं रही बल्कि यह राष्ट्रीय प्राथमिकता भी बनती जा रही है।

गैस बनाने की मूल प्रक्रिया रासायनिक है न कि उष्मीय। इसमें कोयले को 700-1,500 डिग्री सेल्सियस तापमान पर कम ऑक्सीजन वाले वातावरण में गर्म किया जाता है, जिससे सिंथेसिस गैस बनती है जो हाइड्रोजन और कार्बन मोनोऑक्साइड का मिश्रण होती है। यही मध्यवर्ती उत्पाद एक पूरी मूल्य श्रृंखला को तैयार करता है जैसे कि अमोनिया, यूरिया, मेथनॉल, सिंथेटिक प्राकृतिक गैस और पेट्रोकेमिकल कच्चे माल। किसी सीमित संसाधन वाली अर्थव्यवस्था में यह सिर्फ तकनीक में विविधता नहीं बल्कि मूल्य को उच्चतम सीमा तक ले जाने का माध्यम भी है।

भारत के हाल के कदम स्पष्ट संकेत देते हैं कि अब हिचकिचाहट नहीं बल्कि ठोस इरादा है। भूमिगत कोयले से गैस बनाने का प्रायोगिक परीक्षण झारखंड में चल रहा है, जिसमें कोयले का खनन किए बिना ही उसे रूपांतरित किया जाता है। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने भारत के अधिक राख वाले कोयले के लिए उपयुक्त देसी गैस बनाने वाली तकनीक विकसित की है, जिससे अधिक मूल्य वाले मेथनॉल का उत्पादन संभव हो। साथ ही, निजी क्षेत्र भी अब इस क्षेत्र में पूरी गंभीरता से शामिल हो रहा है।

भारत ने वित्त वर्ष 2025 में 104.7 करोड़ टन से अधिक कोयला उत्पादन किया। देश के पास लगभग 199 अरब टन प्रमाणित भंडार और 401 अरब टन कुल भूवैज्ञानिक भंडार हैं जो वैश्विक स्तर पर इसे विश्व के सबसे बड़े कोयला संपन्न देशों में से एक बनाते हैं। फिर भी, लगभग 80 फीसदी कोयला अब भी बिजली के लिए जलाया जा रहा है। यह हमारे प्राकृतिक संसाधन का क्षमता से कम उपयोग है। आयात पर अधिक निर्भरता की वजह से आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। हर भू-राजनीतिक संकट, चाहे वह होर्मुज स्ट्रेट हो या टैरिफ नीतियां, सीधे महंगाई में बदल जाता है। इस तरह की परिस्थितियों के बीच कोयला से गैस बनाना वास्तव में एक घरेलू रणनीतिक सुरक्षा उपाय करना है।

अनुमान हैं कि यदि गैस बनाने की योजना का पैमाना बढ़ाया जाए तब यह आयात में सालाना 15 अरब डॉलर की बचत कर सकता है और घरेलू उर्वरक व रासायनिक उत्पादन के माध्यम से 60,000 से 90,000 करोड़ रुपये की बचत संभव है। यह सिर्फ ऊर्जा बदलाव ही नहीं बल्कि समग्र अर्थव्यवस्था में स्थिरता का भी साधन है। नीति और निवेश की गति भी इस बदलाव को दर्शाती है। करीब 8,500 करोड़ रुपये की व्यवहार्यता अंतर से जुड़ी फंडिंग योजना (2024) वर्ष 2030 तक 10 करोड़ टन गैस बनाने की क्षमता के लक्ष्य से जुड़ा है जिसमें 4,050 करोड़ रुपये सार्वजनिक क्षेत्र के लिए और 4,450 करोड़ रुपये निजी खिलाड़ियों के लिए हैं।

बुधवार को मंत्रिमंडल ने 37,500 करोड़ रुपये की एकीकृत प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी, जिसमें हरेक परियोजना के लिए अधिकतम समर्थन 3,000 करोड़ रुपये है जिसका लक्ष्य तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) यूरिया, अमोनिया, मेथनॉल और डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन में आत्मनिर्भरता है। इसके साथ ही 50,000 करोड़ रुपये की योजना भी प्रस्तावित है ताकि 20,000 मेगावॉट की निष्क्रिय गैस आधारित क्षमता को फिर से उभारा जा सके। महाराष्ट्र, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में पहले से ही 64,000 करोड़ रुपये की सात बड़ी गैस बनाने वाली परियोजनाएं चल रही हैं।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2026 और 2030 के बीच 15-20 बड़े कॉम्प्लेक्स की आवश्यकता होगी ताकि 10 करोड़ टन का लक्ष्य हासिल किया जा सके। परियोजना पाइपलाइन वास्तव में एक ठोस पारिस्थितिकी तंत्र को दर्शाती है जिसमें नीति, तकनीक, पूंजी और क्रियान्वयन एक साथ आ रहे हैं। इसके तहत प्रमुख गतिविधियां कुछ इस तरह की हैं-मसलन कोल इंडिया लिमिटेड और बीएचईएल का संयुक्त उद्यम (11,782 करोड़ रुपये की लागत वाला) ओडिशा के लखनपुर में, कोल इंडिया और गेल (इंडिया) का पश्चिम बंगाल के सोनपुर बाजारी में संयुक्त उद्यम (13,052 करोड़ रुपये), दुर्गापुर स्टील संयंत्र में सीआईएल-स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड का संयुक्त उद्यम जो वित्त वर्ष 2029 में शुरू होने वाला है। इसके अलावा ओडिशा में 13,000 करोड़ रुपये की तलचर उर्वरक परियोजना जो भारत की पहली कोयले से गैस पर आधारित यूरिया परियोजना है जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 12.7 लाख टन है।

यह गेल, कोल इंडिया, राष्ट्रीय केमिकल्स ऐंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड और फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का संयुक्त उद्यम है और इसका उद्घाटन सितंबर 2018 में प्रधानमंत्री ने किया था।

निजी क्षेत्र की पहल भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण हैं जैसे जिंदल स्टील का अंगुल संयंत्र काम कर रहा है जो दुनिया के सबसे बड़े सिंथेसिस गैस आधारित इस्पात संयंत्रों में से एक है। इसके अलावा महाराष्ट्र के रायगढ़ में नई परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। न्यू एरा क्लीनटेक का 2.5 अरब डॉलर का कोयले से एथनॉल बनाने की प्रक्रिया में निवेश और एनएलसी इंडिया की लिग्नाइट से मेथनॉल बनाने वाली परियोजना इस पारिस्थितिकी तंत्र में और भी विस्तार कर रही हैं। हाल के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि इंजीनियरिंग और क्रियान्वयन क्षमता भी गहराई से बढ़ रही है।

कुल परियोजना पाइपलाइन अब 85,000 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। मौजूदा समय को पांच अनुकूल परिस्थितियां विशेष बनाती हैं, जैसे कि घरेलू कोयले की प्रचुर आपूर्ति, भारत के अनुकूल तकनीक, मजबूत नीति समर्थन, बढ़ती निजी भागीदारी और ऐसा भू-राजनीतिक माहौल जो आयात पर निर्भरता को हतोत्साहित करता है। इसके आर्थिक तर्क भी मजबूत हैं। घरेलू कोयले से मिली सिंथेसिस गैस आयातित एलएनजी का विकल्प बन सकती है, किसानों को घर में तैयार यूरिया उपलब्ध करा सकती है, इस्पात क्षेत्र में कोकिंग कोल के आयात को कम कर सकती है और हाइड्रोजन पर आधारित अर्थव्यवस्था में बदलाव के लिए सेतु का काम कर सकती है। लेकिन यहीं सावधानी की आवश्यकता भी है।

गैस बनाने की परियोजनाओं में काफी पूंजी की दरकार होती है, ये तकनीकी रूप से जटिल और वैश्विक मूल्य चक्रों के प्रति संवेदनशील होती हैं। भारत इससे पहले भी इस चुनौती का सामना कर चुका है। जब पहले तेल की कीमतें कम थीं तब गैस बनाने में दिलचस्पी कम हो जाती थी। हालांकि चीन ने इसे बरकरार रखा। दोनों देशों ने एक साथ इस पर पहल की। हालांकि इसके विपरीत, चीन ने इसे रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में अपनाया और धैर्यपूर्वक पूंजी निवेश किया। आज चीन सालाना 8 करोड़ टन से अधिक गैस बनाता है और यह कोयले से मिले सिंथेसिस गैस के माध्यम से वैश्विक मेथनॉल और अमोनिया उत्पादन में प्रमुख है। भारत का उत्पादन इस पैमाने का केवल 3 से 5 फीसदी है।

भारत अब एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। कोयले पर बहस अक्सर इसे जारी रखने और बदलाव के बीच सीमित हो जाती है। गैस बनाने की प्रक्रिया इसे पूरी तरह से नया रूप देता है। कोयले को जलाने के बजाय उसका सही इस्तेमाल किया जाए, तो यह सिर्फ ईंधन नहीं बल्कि काम का कच्चा माल बन सकता है, बड़े अवसर तैयार कर सकता है और स्वच्छ ऊर्जा में भी तब्दील हो सकता है और हमारे ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक नीति और आर्थिक एवं पर्यावरणीय लचीलेपन को फिर से परिभाषित कर सकता है। लेकिन सवाल यह है कि यह बदलाव दशकों तक क्यों रुका रहा।

-धनंजय राजौरा

सुनील मित्तल के उत्तराधिकार प्लान से भारती एयरटेल में बड़े बदलाव की आहट

भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल (68 वर्ष) ने एक क्रमिक उत्तराधिकार योजना अपनाने का निर्णय लिया है। यह भारतीय पारिवारिक व्यवसायों में दुर्लभ है। पिछले सप्ताह मित्तल ने अर्निंग कॉल (नतीजे घोषित होने के बाद का आयोजन) में एक 10-वर्षीय पीढ़ीगत बदलाव योजना की घोषणा की जिसे वे भारती एयरटेल में लागू करना चाहते हैं। चेयरमैन के रूप में पांच साल का नया कार्यकाल सुरक्षित करने के बाद, मित्तल जल्द ही नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू कर पाएंगे, जबकि अपने नेतृत्व में व्यवसाय की निरंतरता और स्थिरता बनाए रखेंगे। उन्होंने इस वर्ष की शुरुआत में ही संकेत दिया था कि उत्तराधिकार योजना उनके मन में है लेकिन हाल ही में हुई अर्निंग कॉल में उनकी अप्रत्याशित उपस्थिति और उसके लिए रोडमैप प्रस्तुत करने से स्थिति स्पष्ट हो गई। भारती एयरटेल के शेयर मूल्यों पर भी इस घोषणा का सकारात्मक असर हुआ है।

इस समूह में उत्तराधिकार योजना को समय और प्रयास दोनों की आवश्यकता होगी क्योंकि एसबीएम (जैसा कि उनके सहयोगी उन्हें कहते हैं) जुलाई 1995 में भारती एयरटेल की स्थापना के समय से ही कंपनी का नाम और चेहरा रहे हैं। यह भारत में मोबाइल टेलीफोनी की शुरुआत के साथ मेल खाता है। अक्सर एक पेशेवर रूप से संचालित पारिवारिक व्यवसाय के उदाहरण के रूप में उद्धृत किए जाने वाले भारती समूह के भावी नेता से इसी मॉडल का पालन करने की अपेक्षा की जाएगी।

कंपनी के कई शीर्ष अधिकारियों ने, जिनमें पूर्व मुख्य कार्या?धिकारी और वर्तमान कार्यकारी उपाध्यक्ष गोपाल विट्ठल शामिल हैं, लंबे समय तक मुख्य व्यवसाय का संचालन किया है जबकि मित्तल ने दृष्टि प्रदान की और बड़े परिदृश्य को संबोधित किया। मित्तल के जुड़वा बेटे श्रवण और कविन उद्यमिता का अनुभव रखते हैं।

श्रवण टेक स्टार्टअप अनबाउंड के संस्थापक हैं और लंदन स्थित भारती ग्लोबल के प्रबंध निदेशक हैं जो भारती एंटरप्राइजेज की अंतरराष्ट्रीय निवेश शाखा है। वहीं कविन ने हाइक नामक टेक कंपनी की स्थापना की थी, जो हाल ही में बंद हो गई। उनकी बेटी ईशा, भारती फाउंडेशन नामक एक परोपकारी संगठन के बोर्ड में हैं और फैशन तथा लाइफस्टाइल व्यवसाय में रुचि रखती हैं।

वर्षों से मित्तल के नेतृत्व में कंपनी कई तूफानों से निपटने में सफल रही है। जैसे 2जी स्पेक्ट्रम विवाद के बाद दूरसंचार बाजार में उत्पन्न व्यवधान, रिलायंस जियो का प्रवेश और उसके बाद शुल्क की जंग और समायोजित सकल राजस्व यानी एजीआर बकाया पर कानूनी उलझन आदि। लेकिन नई पीढ़ी को उस स्तर की दक्षता और फुर्ती हासिल करने के लिए मार्गदर्शन और सहयोग की आवश्यकता होगी। पिछले सप्ताह के परिणामों के बाद हुई अर्निंग कॉल में मित्तल द्वारा कही गई एक और बात भी ध्यान देने योग्य थी।

उन्होंने कहा कि जब वे अगली पीढ़ी को नेतृत्व सौंपेंगे तब प्रवर्तक इकाई भारती टेलीकॉम को 51 फीसदी हिस्सेदारी के साथ कंपनी का एकमात्र नियंत्रक शेयरधारक बने रहना चाहिए। वर्तमान में भारती टेलीकॉम, एयरटेल में 40.5 फीसदी हिस्सेदारी रखती है। एक जटिल शेयरधारिता संरचना में, सिंगटेल (सिंगापुर का दूरसंचार ऑपरेटर) भारती टेलीकॉम में 20 फीसदी हिस्सेदारी और भारती समूह 20.46 फीसदी हिस्सेदारी रखती है।

मित्तल ने जिस शेयरधारिता समेकन का उल्लेख किया वह उनके भारती एयरटेल को एक दूरसंचार दिग्गज बनाने पर केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप है। समूह की खुदरा क्षेत्र में अस्थायी रुचि 2013 में समाप्त हो गई जब वॉलमार्ट के साथ भारती का महत्त्वाकांक्षी संयुक्त उद्यम नीतिगत अस्थिरता के कारण आगे नहीं बढ़ पाया। हाल ही में, ब्रिटेन की प्रूडेंशियल पीएलसी ने भारती लाइफ इंश्योरेंस में 75 फीसदी हिस्सेदारी 3,500 करोड़ रुपये में अधिग्रहित करने पर सहमति जताई है।

दूरसंचार क्षेत्र के भीतर, कंपनी की सहयोगी यूटेलसैट वनवेब भारत में अपना सैटेलाइट दूरसंचार उद्यम शुरू करने की प्रतीक्षा कर रही है। इसका अंतरराष्ट्रीय विस्तार, विशेषकर अफ्रीका का दूरसंचार व्यवसाय, भी समूह के लिए अत्यधिक ध्यान का क्षेत्र है। इस हिसाब से देखें तो अगले वर्षों में चरणबद्ध उत्तराधिकार योजना सही दिशा में उठाया गया कदम है ताकि भविष्य में किसी भी विभाजन और विवाद की आशंका को रोका जा सके जो न केवल दूरसंचार क्षेत्र बल्कि भारत के व्यापक आर्थिक परिदृश्य को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकता है।

-सुनील कुमार महला

जनगणना अधिकारी बनकर की दो दिन रैकी, फिर थाना प्रभारी तहजीब काजी ने दबोचा अंतर्राज्यीय सट्टा कारोबारी

कन्नौद पुलिस की बड़ी कार्रवाई में 12 लाख 10 हजार रुपये नकद जब्त, सट्टा नेटवर्क की जांच तेज

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में संगठित अपराध एवं अवैध सट्टा कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए देवास पुलिस ने ÷ऑपरेशन प्रहार÷ के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। थाना कन्नौद पुलिस ने अंतर्राज्यीय स्तर पर सट्टा खाईवाली संचालित करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 12 लाख 10 हजार रुपये नकद, सट्टा रजिस्टर एवं हिसाब-किताब से जुड़े दस्तावेज जब्त किए हैं।

पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सौम्या जैन तथा एसडीओपी आदित्य तिवारी के मार्गदर्शन में जिलेभर में अवैध जुआ-सट्टा संचालकों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान थाना कन्नौद पुलिस को सूचना मिली थी कि पिपल्दा रोड वार्ड क्रमांक 11 क्षेत्र में बड़े स्तर पर सट्टा खाईवाली संचालित की जा रही है।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी तहजीब काजी ने विशेष टीम गठित की। पुलिस टीम ने कार्रवाई से पहले दो दिनों तक जनगणना अधिकारी बनकर क्षेत्र में गुप्त रैकी की और पूरी गतिविधियों पर नजर रखी। पुख्ता जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर घेराबंदी की।

कार्रवाई के दौरान मौके से दो व्यक्ति फरार हो गए, जबकि संदीप पिता ओमप्रकाश (41) निवासी पिपल्दा रोड वार्ड क्रमांक 11 को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में आरोपी के कब्जे से सट्टा अंक लिखे रजिस्टर, पिछले एक वर्ष का हिसाब-किताब एवं 12 लाख 10 हजार रुपये नकद बरामद किए गए।

पूछताछ में आरोपी ने उज्जैन, इंदौर, चापड़ा, कोटा (राजस्थान) और नागपुर तक सट्टा नेटवर्क संचालित करना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना कन्नौद में अपराध क्रमांक 329/2026 धारा 4(क) सट्टा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही आरोपी के बैंक खातों और उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

इन अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की रही अहम भूमिका- इस कार्रवाई में थाना प्रभारी तहजीब काजी, उपनिरीक्षक दीपक भोण्डे, सहायक उपनिरीक्षक मोहनलाल पंवार, आरक्षक राहुल सोनी, निकेतन परमार एवं महिला आरक्षक मुस्कान चौहान की सराहनीय भूमिका रही।

आबकारी विभाग की कार्रवाई में अवैध शराब जब्त, 5 प्रकरण दर्ज

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध मदिरा संग्रहण, विक्रय एवं परिवहन के खिलाफ आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देश पर आबकारी वृत्त सोनकच्छ की टीम ने भौंरासा एवं सोनकच्छ क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 5 प्रकरण दर्ज किए हैं।

गश्त के दौरान आबकारी टीम ने एक पल्सर मोटरसाइकिल पर अवैध रूप से बीयर कैन का परिवहन करते हुए एक व्यक्ति को पकड़ा। इसके बाद संदिग्ध स्थानों पर सर्चिंग अभियान चलाकर विभिन्न स्थानों से अवैध मदिरा जब्त की गई। कार्रवाई में 1 पेटी विदेशी मदिरा बीयर कैन, विदेशी मदिरा व्हिस्की के पाव एवं 70 पाव देशी प्लेन शराब जब्त की गई। जब्त मदिरा एवं वाहन की कुल कीमत 92 हजार 500 रुपये बताई गई है। सभी मामलों में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव, मुख्य आरक्षक राजाराम रायकवार, आरक्षक निकिता परमार एवं सैनिक किशोर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभाग ने बताया कि अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

आपदा प्रबंधन में जन-सहयोग और पब्लिक मैनेजमेंट प्रशासन की प्राथमिकता हैः श्री कलेश

नीमच/सतीश सैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन नीमच द्वारा बुधवार से आयुष भवन में तीन दिवसीय भूकंप रोधी एवं आपदा प्रबंधन विषय पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई है। अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया।

इस मौके पर अपर कलेक्टर श्री बी.एस.कलेश ने कहा, कि प्राकृतिक अथवा मानव निर्मित आपदाएं कभी भी बताकर नहीं आती हैं। शासन के निर्देशानुसार जिले में भूकंप और अन्य आपदाओं से निपटने के लिए पूर्व तैयारियां पुख्ता की जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आपदा के समय जनता का विश्वास जीतना, घायलों को त्वरित चिकित्सा उपलब्ध कराना, घटनास्थल पर एंबुलेंस की व्यवस्था करना और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों (जैसे जेसीबी, ट्रैक्टर आदि) का डेटाबेस तैयार रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रथम दिवस के सत्र में आपदा प्रबंधन संस्थान के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री युवराज सिंह पवार ने बाढ़, भूकंप, चक्रवात, आंधी-तूफान, रासायनिक दुर्घटनाओं तथा भोपाल गैस त्रासदी जैसी आपदाओं के केस स्टडीज पर विस्तार से प्रकाश डाला। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट एवं उनकी टीम ने कार्यशाला में आपदा के समय जीवन रक्षा के लिए उपयोग में आने वाले आधुनिक बचाव व सुरक्षा उपकरणों का प्रदर्शन (डेमो) भी किया।

तीन दिवसीय कार्यशाला के आगामी सत्रों में भूकंप के इतिहास, भूकंप प्रतिरोधी ढांचा निर्माण, आपदा के दौरान प्राथमिक चिकित्सा, यात्रा के दौरान होने वाली दुर्घटनाएं तथा पटाखा फैक्ट्रियों में अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव व सुरक्षा के संबंध में विस्तृत तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिंह सिसोदिया आपदा प्रबंधन नोडल एवं डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिंह धार्वे, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट श्री युवराज सिंह पवार एवं कम्पनी कमान्डेन्ट श्रीमती पुष्पा सिह पंवार सहित पुलिस, राजस्व, एनसीसी, नगर सेना, पंचायत, लोक निर्माण विभाग जल संसाधन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी एवं पत्रकारगण उपस्थित थे।

23 मई को जिले के 6 डाकघरो में आधार नामांकन एवं अपडेट हेतु विशेष अभियान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आम नागरिकों की सुविधा के लिए 23 मई 2026 (शनिवार) को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक जिला देवास के छह डाकघरों में आधार नामांकन एवं अपडेट हेतु विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत प्रधान डाकघर देवास सहित सोनकच्छ, हाटपिपलिया, कन्नौद, खातेगांव एवं बागली उप डाकघरों में नागरिक आधार कार्ड से जुड़े आवश्यक सुधार एवं नए आधार कार्ड बनवाने की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। डाक विभाग भारत सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क पर यह सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। अभियान के सफल संचालन के लिए संबंधित डाकघरों में अतिरिक्त व्यवस्थाएं भी की गई हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को त्वरित एवं सहज सेवा मिल सके। सहायक अधीक्षक डाकघर देवास उप संभाग श्री कैलाश चौहान ने बताया कि विशेष अभियान के लिए 21 एवं 22 मई 2026 को संबंधित डाकघरों में सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक टोकन वितरित किए जाएंगे। इच्छुक नागरिकों से समय रहते टोकन प्राप्त करने की अपील की गई है, ताकि 23 मई को आधार संबंधी कार्य बिना किसी परेशानी के पूर्ण हो सकें। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे इस विशेष अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए निर्धारित तिथि एवं समय पर संबंधित डाकघरों में पहुंचकर आधार सेवाओं का लाभ लें।

पंच धूनी एवं खड़ी तपस्या का शुभारंभ, श्रद्धालुओं ने लिया दर्शन लाभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सद्गुरू योगेंद्र शीलनाथ जी महाराज धूनी परिसर, मल्हार क्षेत्र में बुधवार से 41 दिवसीय पंच धूनी एवं खड़ी तपस्या का शुभारंभ हुआ। शीलनाथ भक्त मंडल के सचिव राहुल शर्मा ने बताया कि हरियाणा के हिसार जिले के सुल्तानपुर गांव स्थित नाथ संप्रदाय के प्राचीन मठ के गादीपति महंत बालयोगी संतोष नाथ महाराज ने 20 मई को प्रातः 11 बजे तपस्या आरंभ की। तपस्या का बुधवार को प्रथम दिवस रहा। उन्होंने बताया कि गुरु महाराज की यह विशेष साधना प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से दोपहर 2ः15 बजे तक चलेगी। पंच धूनी तपस्या के अंतर्गत महाराज पांच स्थानों पर प्रज्वलित धूनियों के मध्य बैठकर ध्यान एवं साधना करेंगे। प्रथम दिवस पर गुरु महाराज ने 28-28 कंडों की धूनी के बीच साधना प्रारंभ की। यह कठिन तपस्या आगामी 29 जून तक निरंतर चलेगी। नाथ संप्रदाय में पंच धूनी तपस्या को अत्यंत दुर्लभ एवं कठोर साधना माना जाता है। भीषण गर्मी और धधकती अग्नि के मध्य घंटों तक ध्यान लगाना तथा खड़े रहकर साधना करना सामान्य साधकों के लिए अत्यंत कठिन माना जाता है। तपस्या के शुभारंभ अवसर पर शीलनाथ भक्त मंडल के सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। भक्तों ने गुरु महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्त मंडल द्वारा नगर सहित प्रदेशभर के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर तपस्या के दर्शन लाभ लेने की अपील की गई है।

शासकीय चिकित्सालय शुजालपुर परिसर में अग्नि आपदा प्रबंधन डेमोस्ट्रेशन/मॉकड्रील का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिविल हॉस्पिटल शुजालपुर मण्डी में डॉ. शारदा रामसरीया सिविल सर्जन की अध्यक्षता एवं डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट होमगार्ड श्री विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में एक दिवसीय अग्नि आपदा प्रबंधन डेमोस्ट्रेशन/मॉकड्रील का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में आपदा प्रबंधन कानून 2005 के विषय पर चर्चा की गई। तत्पश्चात प्लाटून कमाण्डर होमगार्ड श्रीमती नम्रता सरावत द्वारा फायर सेफ्टी प्लान के तहत व्याख्यान एवं डेमोस्ट्रेशन दिये गये। उक्त डेमोस्ट्रेशन में एसडीईआरएफ टीम शाजापुर के द्वारा अग्निशमन संबंधित मॉकड्रील की गई। फायर दुर्घटना से बचाव संबंधित इक्यूपमेंट की प्रदर्शनी भी चिकित्सालय परिसर में लगाई गई। जिसके माध्यम से आग लगने के समय रखने वाली सावधानियों से उपस्थित स्टॉफ/आमजन को समझाईश दी गई। एसडीईआरएफ टीम द्वारा आग के विभिन्न प्रकार, ज्वलनशील दृव्य से लगने वाली आग एवं शॉर्ट सक्रिट से लगने वाली आग से कैसे बचा जा सकता है एवं आग लगने पर क्या करना चाहिए तथा क्या नहीं करना चाहिए, इसका भी डेमोस्ट्रेशन दिया गया। आग बुझाने की विधियों में एसडीईआरएफ टीम के साथ अस्पताल स्टॉफ को भी शामिल किया जाकर, महिला स्टॉफ के द्वारा भी गैस की टंकी में लगी आग को बुझाया गया। आग बुझाने में उपयोग में आने वाले फायर एक्सटीग्यूशर के विभिन्न प्रकार के टाईपस की जानकारी स्टॉफ तथा मौके पर मौजुद आमजन को दी गई। चिकित्सालय परिसर में सिविल हॉस्पिटल शुजालपुर फायर सेफ्टी नोडल अधिकारी श्री प्रवीण जोशी एवं 25 स्टॉफ तथा लगभग 200 आमजन भी शामिल थे। उक्त कार्यशाला में एसडीईआरएफ टीम के साथ-साथ होमगार्ड जवान भी शामिल रहे।

नयागांव बॉर्डर पर खाकी का रौब, बिना रसीद कागजात जांचने के नाम पर ट्रक चालकों को परेशान करने का वीडियो वायरल...

नीमच।/सतीश सैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश और राजस्थान की सीमा पर स्थित नीमच जिले का नयागांव बॉर्डर एक बार फिर विवादों के घेरे में है। सोशल मीडिया पर पिछले दो दिनों से एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसने बॉर्डर पर तैनात कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस वीडियो में बॉर्डर पर तैनात सुरक्षाकर्मी एक ट्रक चालक को रोककर जबरन कागजात चेक करने के नाम पर दबाव बनाते और परेशान करते दिख रहे हैं।

किस बात के पेपर, पूछने पर भड़के वर्दीधारी- वायरल हो रहे इस दो दिन पुराने वीडियो के अनुसार जयपुर से आ रहे एक ट्रक चालक को नयागांव बॉर्डर पर एंट्री पॉइंट के पास रोक लिया गया था। जब जागरूक ट्रक चालक ने अपने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया और सीधे सवाल किया कि किस बात के पेपर चेक करवाऊं और क्यों रोक रहा है तो वहां तैनात कर्मचारी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इसके बजाय वह चालक पर गाड़ी से नीचे उतरने और एंट्री करवाने का दबाव बनाता रहा।

अवैध वसूली की आशंका, वरिष्ठ अधिकारियों को चुनौती- वीडियो में चालक साफ तौर पर कहता नजर आ रहा है कि अगर कोई जांच करनी है तो साहब खुद आकर चेक करें बिना वजह गाड़ी क्यों रोकी गई है चालक ने खुद को गाड़ी का मालिक बताते हुए कर्मचारियों की इस मनमानी का कड़ा विरोध किया। पिछले दो दिनों से यह वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। ट्रक चालकों का आरोप है कि नयागांव बॉर्डर पर आए दिन एंट्री और चेकिंग के नाम पर बिना रसीद के अवैध वसूली का खेल चलता है और आवाज उठाने वालों को प्रताड़ित किया जाता है।

नीमच में एसपी राजेश व्यास की मैराथन अपराध समीक्षा बैठक

महिला अपराधों में संवेदनशीलता और आमजन से सद्व्यवहार के दिए निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास द्वारा मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम में मैराथन अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चली इस महत्वपूर्ण बैठक में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक में एसपी राजेश व्यास ने आगामी ईद-उल-जुहा (बकरीद) को लेकर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में शांति समिति की बैठकें आयोजित कर त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान एसपी ने महिला एवं बालिका संबंधी अपराधों को गंभीरता से लेते हुए सभी थाना प्रभारियों को संवेदनशीलता के साथ मामलों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही ÷सुजन÷ अभियान के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए।

इसके अलावा ÷सम्मान÷ कार्यक्रम के माध्यम से उन महिलाओं और बालिकाओं का मनोबल बढ़ाने की बात कही गई, जो पूर्व में किसी घटना का शिकार हुई हों।

एसपी ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों, काली फिल्म लगे वाहनों, बिना नंबर के वाहन, तीन सवारी और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही वाहन चेकिंग के दौरान आमजन से शालीन व्यवहार रखने की हिदायत भी दी।

नीमच नपाध्यक्ष विवाद पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला - जस्टिस प्रणय वर्मा की एकलपीठ ने 20+ याचिकाएं खारिज कीं, भाजपा-कांग्रेस की कानूनी जंग पर ब्रेक

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में नीमच नगर पालिका अध्यक्ष पद को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई पर बड़ा फैसला आया है। न्यायमूर्ति प्रणय वर्मा की एकलपीठ ने करीब 8 पन्नों के विस्तृत आदेश में नीमच सहित प्रदेशभर की 20 से अधिक याचिकाओं को अत्यधिक देरी (Delay and Laches) के आधार पर खारिज कर दिया।

कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि वर्ष 2022 के नगरीय निकाय चुनाव से जुड़े मामलों को वर्ष 2026 में चुनौती देना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है और ऐसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता।

नीमच मामला- स्वाति चोपड़ा के खिलाफ कौन पहुंचा कोर्ट?

नीमच नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जिसमें प्रमुख नाम नीतू सिंह ठाकुर पति शैलेंद्र सिंह ठाकुर और नेता प्रतिपक्ष योगेश प्रजापति है।

इन याचिकाओं में आरोप लगाया गया था कि बिना वैध गजट नोटिफिकेशन के अध्यक्ष पद के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों का उपयोग किया जा रहा है, जो मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1961 के प्रावधानों के विरुद्ध है।

कोर्ट की सख्त टिप्पणी- जस्टिस प्रणय वर्मा ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा– याचिकाएं करीब 4 साल की देरी से दायर की गईं। याचिकाकर्ता अपने अधिकारों को लेकर निष्क्रिय रहे । इतनी देरी के बाद राहत नहीं दी जा सकती ।

कोर्ट ने तीखा रुख अपनाते हुए कहा कि - जो लोग वर्षों तक अपने अधिकारों को लेकर सोए रहे, वे संवैधानिक राहत के हकदार नहीं हैं।

साथ ही यह भी कहा गया कि- अगर अब हस्तक्षेप किया गया, तो पिछले 4 साल में लिए गए वित्तीय और प्रशासनिक फैसलों पर असर पड़ेगा और प्रशासनिक अव्यवस्था पैदा होगी।

8 पन्नों के आदेश में क्या-क्या- कोर्ट ने अपने विस्तृत आदेश में कहा– ग़जट नोटिफिकेशन का मुद्दा पहले से न्यायालयों में उठ चुका है । कुछ मामलों में समय पर याचिका आने पर कार्रवाई भी हुई लेकिन देरी से दायर याचिकाओं को स्वीकार नहीं किया जा सकता कोर्ट ने ग्वालियर खंडपीठ के पूर्व फैसले (विजय सिंह बनाम राज्य शासन) का हवाला देते हुए समान रुख अपनाया।

भाजपा बनाम कांग्रेस- कोर्ट तक पहुंची सियासत- यह मामला सिर्फ नीमच तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी कानूनी टक्कर बन गया-

कांग्रेस समर्थित नेताओं ने भाजपा अध्यक्षों के खिलाफ याचिकाएं दायर कीं-

- श्योपुर- रेणु गर्ग (भाजपा)
- डबरा- लक्ष्मीबाई (भाजपा)
- सीधी- काजल वर्मा (भाजपा)
- पानसेमल- भाजपा अध्यक्ष के अधिकार खत्म करने लगाई गई।

वहीं भाजपा नेताओं ने भी विपक्ष को घेरा- जावरा- अनम यूसुफ कपाड़िया (कांग्रेस समर्थित) के खिलाफ भाजपा पार्षद रुक्मणी धाकड़ कोर्ट पहुंचीं

यानी दोनों दलों ने एक-दूसरे को कोर्ट में चुनौती दी

नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा (भाजपा) ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा– यह सत्य और कानून की जीत है। राजनीतिक द्वेष के चलते लगाए गए आरोप कोर्ट में टिक नहीं पाए।

कार्यालय नगर परिषद बदनावर जिला धार (म.प्र.)

क्रमांक /1563/नामांतरण/राजस्व/2026 — बदनावर दिनांक 15/05/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र.न.पा. अधिनियम 1961 की धारा 150 के अधीन निम्नलिखित प्रपत्र में कालन नं. 6 में अंकित व्यक्तियों ने अपना नामांतरण चाहा है। अतः इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति की आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के अन्दर मय प्रमाण पत्र के सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत की जावे। बाद अवधी समाप्ति के कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र.	प्रकरण क्र.	पता	भवन/ भूखण्ड क्र.	नगर परिषद में दर्ज भूमि/भवन स्वामी का नाम व पता	हस्तांतरित का नाम व पता	नामांतरण का आधार
1	1	वार्ड क्र. 13 पेटलावद मार्ग बदनावर	27	श्री भरत पिता चम्पालाल पाटीदार निवासी बदनावर	गुलाबसिंह पिता भंवरसिंह निवासी बदनावर	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
2	2	वार्ड क्र 12 सावरकर मार्ग बदनावर	114	श्री मोहम्मद शकील पिता बाबु खां निवासी बदनावर	श्रीमति शीपांशी पति सोरभ जैन निवासी बदनावर	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
3	3	वार्ड क्र. 15 पाला रोड़ बदनावर	-	श्री सचिन पिता भंवरलाल निवासी बदनावर	श्रीमति समरीन बी पति शाहबाज मंसूरी निवासी बदनावर	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
4	4	वार्ड क्र. 11 भगतसिंह मार्ग बदनावर	124	श्री अगरसिंह पिता फतेसिंह निवासी बदनावर	श्री ब्रजपालसिंह पिता गुमानसिंह निवासी बदनावर	वसीयत एवं शपथ पत्र आधार पर
5	5	वार्ड क्र. 7 नंदनी नगर बदनावर		श्रीमती भावना पति कुलदीप निवासी बदनावर	श्रीमति रेखा बाई पति दिनेशचंद्र जायसवाल निवासी मोलाना	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
6	6	वार्ड क्र. 11 भगतसिंह मार्ग बदनावर	146	श्री रविन्द, संजय पिता राधाकृष्ण निवासी बदनावर	श्रीमति लालकुंवर पति भगवानसिंह निवासी बदनावर	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
7	7	वार्ड क्र.12 सावरकर मार्ग बदनावर	150	श्री सुगनमल पिता चम्पालाल निवासी बदनावर	श्री दिनेश पिता सुगनमल, उषा पति राजेश, पूनम पिता सुगनमल, आरती पिता सुगनमल निवासी बदनावर	मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शपथ पत्र आधार पर
8	8	वार्ड क्र. 13 विवान रेसीडेंसी	55	श्री जितेन्द्रसिंह पिता पर्वतसिंह निवासी बदनावर	श्रीमति सुमन पति मोहन चसूनिया निवासी बदनावर	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
9	9	वार्ड क्र. 14 श्रद्धानंद मार्ग बदनावर	120	श्री खुशीराम पिता नानकराम निवासी बदनावर	श्रीमति कमला बाई पति खुशीराम निवासी बदनावर	मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शपथ पत्र आधार पर
10	10	वार्ड क्र. 13 सरस्वती नगर बदनावर	-	श्री गोपाल पिता प्रहलादसिंह ठाकुर निवासी बदनावर	श्रीमति शोभना पति धनंजय उपाध्याय निवासी बदनावर	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
11	11	वार्ड क्र.14 नई मंडी बायपास बदनावर	-	श्री शेलेन्द्र पिता शेतानमल मुणत निवासी बदनावर	श्री सुयश पिता विरेन्द्र कुमार मुणत निवासी बदनावर	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
12	12	वार्ड क्र.14 नई मंडी बायपास बदनावर	-	श्री शेलेन्द्र पिता शेतानमल मुणत निवासी बदनावर	श्री कविश पिता अजय कुमार बोकड़िया निवासी बदनावर	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
13	13	वार्ड क्र. 08 लक्ष्मीबाई मार्ग बदनावर	P0166/5	श्रीमति दरियाव बाई पति रामेश्वर परमार निवासी खेड़ा	श्री अखिलेश पिता रामेश्वर परमार निवासी खेड़ा	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
14	14	वार्ड क्र. 10 महावीर नगर बदनावर	314/1	श्री अनिल कुमार पिता जवाहरलाल निवासी बदनावर	श्री रमेशचंद पिता झामकलाल मुणत निवासी बदनावर	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
15	15	वार्ड क्र. 09 राणाप्रताप मार्ग बदनावर	35	श्री अनीस बेग, नफीस बेग पिता अफजल बेग वसीम बेग पिता नसीम बेग, निवासी बदनावर	श्री वसीम बेग पिता नसीम बेग मिर्जा निवासी बदनावर	वसीयत एवं शपथ पत्र आधार पर
16	16	वार्ड क्र. 02 महु निमच रोड बदनावर	245	श्री अनीस बेग, नफीस बेग पिता अफजल बेग वसीम बेग पिता नसीम बेग, निवासी बदनावर	श्री वसीम बेग पिता नसीम बेग मिर्जा निवासी बदनावर	वसीयत एवं शपथ पत्र आधार पर
17	17	वार्ड क्र. 03 बस स्टेण्ड बदनावर	P0153	श्री मनोहर पिता छोगालाल हारोड़ निवासी बदनावर	श्री ओमप्रकाश पिता छगनलाल निवासी बदनावर	विक्रय पत्र आधार पर
18	18	वार्ड क्र. 14 वीरमणी पार्क बदनावर	88	श्रीमति रिंकु कुंवर पति कुलदिपसिंह निवासी बदनावर	श्रीमति पूजा पति विजय प्रतापसिंह निवासी बदनावर	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
19	19	वार्ड क्र. 13 अणु नगर बदनावर	-	श्रीमति पूजा पति हेमराज चावड़ा निवासी बदनावर	श्रीमति शिवानी पति शांतिलाल पाटीदार निवासी बखतगढ़	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
20	20	वार्ड क्र. 12 लोकाशाह भवन के पिछे बदनावर	241	श्री किशनलाल पिता उदयलाल निवासी बदनावर	श्रीमति सुधा पति राजेन्द्र राठौड़ निवासी बदनावर	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
21	21	वार्ड क्र. 14 कब्रस्तान से मांगलिया रोड़ बदनावर	-	श्री शोएब, जावेद पिता सादिक, श्रीमति शमीम पति सादिक मोहम्मद खान निवासी बदनावर	श्री शोएब, जावेद पिता सादिक, श्रीमति शमीम पति सादिक मोहम्मद खान निवासी बदनावर	डायवर्सन आधार पर
22	22	वार्ड क्र. 02 माली कॉलोनी के पास बदनावर		श्री प्रितेश पिता राजमल, निर्मल कुमार पिता रामचन्द्र निवासी बदनावर	श्रीमति सज्जन बाई पति राधेश्याम निवासी बदनावर	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
23	23	वार्ड क्र. 02 लालालाजपतराय मार्ग बदनावर	-	श्रीमति गोपी बाई पति भागीरथ पाटीदार खेड़ा तह. बदनावर	श्रीमति अंगुरबाला पति मोहनलाल पाटीदार निवासी रामगढ़	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
24	24	वार्ड क्र. 02 लालालाजपतराय मार्ग बदनावर	438/439	श्री रफीक शाह, युसुफ शाह, शरीफ शाह पिता इकबाल शाह निवासी बदनावर	श्री कमलेश पिता ग्याप्रसाद निवासी बदनावर	रजिस्ट्री विक्रय पत्र आधार पर
25	25	वार्ड क्र. 03 भट्ट कॉलोनी बदनावर	196	श्री सत्यनारायण पिता परमानंद शर्मा निवासी इंदौर	गजेन्द्र पिता सत्यनारायण शर्मा निवासी बदनावर	वसीयत एवं शपथ पत्र आधार पर
26	26	वार्ड क्र. 09 मंडी बायपास रोड़ बदनावर	195	श्रीमति बरकत बी पति अब्बास शाह निवासी बदनावर	श्री इकबाल शाह, युसुफ शाह, आशिक शाह अकरम शाह, पिता अब्बास शाह निवासी बदनावर	मृत्यु प्रमाण पत्र एवं शपथ पत्र आधार पर
27	27	वार्ड क्र. 03 शुभकामना बाजार बदनावर	P0053	श्री राकेश पिता रणछोड़ सेन निवासी बदनावर	श्रीमति रेखा पति राजेश प्रजापत निवासी बदनावर	विक्रय पत्र आधार पर

मीना शेखर यादव
अध्यक्ष
नगर परिषद बदनावर

भागवंता बाई पति शंकरलाल
राजस्व सभापति
नगर परिषद बदनावर

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बदनावर

पानी चौपाल का आयोजन कर किसानों को दी महत्वपूर्ण जानकारियां

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत सुंदराबाद में पानी चौपाल का आयोजन कर कृषकों को उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की विभागीय योजनाओ की जानकारी दी गई, जिसमें उद्यान विभाग की योजना फल पौधरोपण को बढ़ावा देना तथा प्रधानमंत्री सूक्ष्म सिंचाई योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में गांव के कृषकों के साथ विस्तृत चर्चा कर विभिन्न योजनाओ की जानकारी दी गई। अध्यक्षता सरपंच श्रीमती ज्योति पंड्या ने की।प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष घनश्याम सिंह पंड्या, महेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी रविन्द्र गंधारे ने बताया कि फल क्षेत्र विस्तार योजना में फल पौधरोपण को बढ़ावा देना जिससे फल उत्पादन कर प्रति इकाई क्षेत्र में अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकें। प्रधानमंत्री सूक्ष्म सिंचाई योजना में ड्रिप, स्प्रिंकलर, पार्टेबल का प्रयोग कृषि सिंचाई में कर सिंचाई जल का समुचित प्रबंध कर सकते हैं।

साथ ही उद्यान विभाग की Pmfme योजना की जानकारी दी गई जिसमें कृषकों को लहसुन प्याज आलू, नमकीन , मसाला उद्यम आदि की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित कर उद्योग स्थापित कर सकते हैं जिसमें कृषकों को 35त्न अनुदान दिया जाता हैं। कृषक उद्यानिकी विभाग में MPFSTS पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कर विभाग की योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है। कृषि विस्तार अधिकारी पूजा जाजमे ने आयोजन का उद्देश्य प्रकट करते हुए विभिन्न जानकारियां दी।

शानू पांडे ने उन्नत कृषि पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर सोहनसिंह पंवार, रितेश पंड्या, विष्णुलाल पांचाल, गौरव पंड्या, मुकेश जायसवाल, शांतिलाल मिस्त्री, वीरेंद्र सेन आदी उपस्थित रहे।

उर्वरक वितरण में पारदर्शिता की दिशा में पहल : किसानों को ई-टोकन प्रणाली की दी जा रही जानकारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के मार्गदर्शन में ÷कृषक कल्याण वर्ष 2026÷ के अंतर्गत जिले के सभी छह विकासखण्डों में 16 मई 2026 से कृषि रथों का संचालन किया जा रहा है। निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार छह कृषि रथों के माध्यम से कृषि विशेषज्ञों एवं कृषि तथा सम्बद्ध विभागों के अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन तीन ग्राम पंचायतों एवं प्राथमिक कृषि साख समितियों का भ्रमण कर किसानों से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है।

इसी क्रम में विकासखण्ड पेटलावद में 19 मई 2026 को आयोजित विशेष जनसुनवाई के दौरान ई-विकास उर्वरक वितरण प्रणाली अंतर्गत किसानों के लिए ई-टोकन जनरेशन हेतु विशेष हेल्प डेस्क स्थापित की गई। हेल्प डेस्क के माध्यम से किसानों को आधार नम्बर से ई-टोकन जनरेट करने की प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया तथा उनकी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का मौके पर निराकरण किया गया।

अब तक कृषि रथों के माध्यम से कृषि विशेषज्ञों एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारियों द्वारा 59 ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर लगभग 2466 किसानों से संपर्क स्थापित किया गया है। किसानों को खरीफ मौसम की फसलों की उन्नत खेती, नवीन वैज्ञानिक तकनीकों, कृषि एवं सम्बद्ध विभागों की योजनाओं तथा कृषि संबंधी समस्याओं के समाधान की जानकारी दी जा रही है। कृषि रथों के माध्यम से किसानों को मृदा नमूना परीक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व से अवगत कराया जा रहा है।

कृषिगत क्षेत्रों में उन्नत तकनीक अपनाने वाले कृषकों को मिलेगा उत्कृष्ट कृषक पुरस्कार

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग अंतर्गत संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन योजनांतर्गत मूल्यांकन वर्ष 2025-26 के लिए कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों से पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कृषिगत क्षेत्रों में उन्नत एवं नवाचारी तकनीकों को सफलतापूर्वक अपनाने तथा बेहतर उत्पादन प्राप्त करने वाले कृषकों को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित किया जाएगा। विभाग द्वारा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत कृषकों को उनकी तकनीकी दक्षता, नवाचार, उपज एवं उत्पादकता के आधार पर चयनित किया जाएगा। जिला स्तरीय मूल्यांकन समिति की अनुशंसा के आधार पर प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट कृषकों को पुरस्कृत किए जाने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक विकासखंड स्तर पर भी विभिन्न संवर्गों के कृषकों को प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। इच्छुक कृषक निर्धारित आवेदन पत्र में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र का प्रारूप विकासखंड स्तरीय कृषि कार्यालय एवं संबंधित विभागों के कार्यालयों से प्राप्त किया जा सकता है। आवेदन पत्र भरने में किसी प्रकार की कठिनाई होने पर कृषि विभाग तथा संबद्ध विभागों के मैदानी अमले से मार्गदर्शन एवं परामर्श प्राप्त किया जा सकता है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल निर्धारित प्रारूप में एवं निर्धारित समयावधि के भीतर प्राप्त आवेदन पत्रों पर ही विचार किया जाएगा। कृषक अपने उत्कृष्ट कार्यों के समर्थन में आवश्यक तथ्य, आंकड़े एवं संबंधित अभिलेख भी आवेदन के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। कृषकों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी आदी।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल चौपाल एवं सामूहिक श्रमदान आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड राणापुर द्वारा ग्राम भोड़ली में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल चौपाल एवं सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिला समन्वयक श्री प्रेम सिंह चौहान ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान के प्रथम चरण में नदी, तालाब एवं अन्य जल स्त्रोतों का पूजन तथा जल मंदिरों की स्थापना की गई। वहीं द्वितीय चरण में सामूहिक श्रमदान, जल चौपाल, दीवार लेखन एवं जनजागरूकता रैली के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने नवांकुर एवं प्रस्फुटन समितियों से अपने-अपने ग्रामों में जल संरक्षण हेतु निरंतर गतिविधियां संचालित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता श्री गोपाल पंड्या ने जल संरक्षण एवं जल के महत्व पर प्रकाश डाला। नवांकुर संस्था प्रभारी श्री वसुनिया ने भी संबोधित करते हुए जल बचाने का संदेश दिया। इसके पश्चात ग्राम में जनजागरूकता रैली निकाली गई तथा हैंडपंपों के आसपास सामूहिक श्रमदान कर सोखता फीट की साफ-सफाई की गई।

सेवा सदन का जनता दरबार बना आमजन की उम्मीदों का केंद्र- ग्राम गोदना की बरसों पुरानी सड़क समस्या का हुआ समाधान

बागली/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधानसभा क्षेत्र में विधायक मुरली भंवरा का जनता दरबार लगातार आमजन के लिए राहत और विश्वास का केंद्र बनता जा रहा है। विधायक निवास सेवा सदन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएँ लेकर पहुंच रहे हैं, जहाँ हर व्यक्ति की बात गंभीरता और आत्मीयता से सुनी जाती है। यही कारण है कि आज जनता में यह विश्वास मजबूत हुआ है कि सेवा सदन से कोई भी व्यक्ति निराश होकर वापस नहीं लौटता।

जनता दरबार में केवल शिकायतें नहीं सुनी जातीं, बल्कि संबंधित अधिकारियों से तुरंत चर्चा कर समस्याओं के निराकरण के निर्देश भी दिए जाते हैं। कई जरूरतमंद परिवारों को मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए तत्काल आर्थिक सहायता और योजनाओं का लाभ भी दिलाया जा रहा है। लगातार हो रहे समाधान और संवेदनशील कार्यशैली के कारण सेवा सदन अब जनता के लिए एक भरोसे का नाम बन चुका है।

इसी क्रम में ग्राम गोदना के ग्रामीण लंबे समय से मुख्य मार्गों की खराब स्थिति से परेशान थे। बारिश के दिनों में कच्ची सड़कें कीचड़ में तब्दील हो जाती थीं, जिससे स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। ग्रामीणों ने अपनी समस्या जनता दरबार में पहुंचकर विधायक मुरली भंवरा के समक्ष रखी।

जनभावनाओं को प्राथमिकता देते हुए विधायक मुरली भंवरा ने तत्काल विधायक निधि से 24 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की। अब गाँव के मुख्य मार्गों पर पक्की सड़क निर्माण का रास्ता साफ हो गया है, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी और गाँव के विकास को नई गति प्राप्त होगी।

ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सेवा सदन का जनता दरबार केवल एक कार्यालय नहीं, बल्कि आमजन की उम्मीदों और विश्वास का केंद्र बन चुका है, जहाँ समस्याओं का समाधान संवेदनशीलता और तत्परता के साथ हो रहा है।

जहाँ जनता की पीड़ा को सम्मान मिलता है,
वहीं सच्ची जनसेवा का प्रमाण मिलता है
सेवा सदन से अब हर चेहरा मुस्कुराकर लौटता है।
क्योंकि यहाँ हर दर्द को समाधान मिलता है।

रतलाम पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 90 क्विंटल गेहूं चोरी का खुलासा, अंतरजिला गिरोह के 3 आरोपी गिरफ्तार

रतलाम/प्रवीण व्यास/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और चोरी की घटनाओं के त्वरित खुलासे के लिए रतलाम पुलिस लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में थाना बड़ावदा पुलिस एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 90 क्विंटल गेहूं चोरी की वारदात का पर्दाफाश कर अंतरजिला चोर गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई की क्षेत्रभर में सराहना हो रही है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार लाल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बड़ावदा प्रशिक्षु आईपीएस वैभव प्रिय के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने तकनीकी विश्लेषण, मुखबिर तंत्र, सीसीटीवी फुटेज एवं आईसीजेएस डाटा की मदद से आरोपियों तक पहुंच बनाई।

फरियादी अय्युब खां निवासी बड़ावदा ने थाना बड़ावदा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि खेत स्थित टीनशेड में रखा लगभग 90 क्विंटल गेहूं अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए। मौके पर गेहूं बिखरा हुआ मिला तथा वाहन के टायरों के निशान पाए गए थे। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध भंवरलाल चंद्रवंशी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपने साथी लखनसिंह गुर्जर के साथ चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि वारदात को अंजाम देने के लिए एक दिन पहले बड़नगर क्षेत्र से आयशर वाहन चोरी किया गया था। चोरी किया गया गेहूं कच्चे रास्तों से रोहलखुर्द पहुंचाकर बाद में महिदपुर मंडी में बेच दिया गया।

पुलिस ने मामले में युसुफ नामक आरोपी को भी गिरफ्तार किया, जिसने चोरी में प्रयुक्त वाहन को काट दिया था। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

पूछताछ में आरोपियों ने विभिन्न क्षेत्रों में 11 चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस अब तक चार मामलों में चोरी गया माल बरामद कर चुकी है तथा अन्य मामलों में पूछताछ जारी है।

आरोपियों के कब्जे से एक आयशर ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रॉली, दो मोटरसाइकिल, गेहूं बिक्री की 95 हजार रुपये नकद राशि एवं अन्य सामग्री सहित लाखों रुपये का मशरूका जब्त किया गया है।

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी बड़ावदा प्रशिक्षु आईपीएस वैभव प्रिय के नेतृत्व में उप निरीक्षक कुलदीप डाबी, उप निरीक्षक जीवन बारिया, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक शिवजी यादव, प्रधान आरक्षक मनमोहन शर्मा, लक्ष्मीनारायण सूर्यवंशी, हिम्मत सिंह, जितेन्द्र बारिया, राजेश पानोला तथा आरक्षक विपुल भावसार, मयंक व्यास, राहुल पाटीदार, तुषार सिसोदिया, मोरसिंह डामोर, गोपालसिंह एवं कृष्णपालसिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इसके अलावा प्रधान आरक्षक शहजाद खान, प्रधान आरक्षक दिनेशसिंह भदौरिया, आरक्षक बालूसिंह, आरक्षक रोहताश जाट, सैनिक प्रतापसिंह, सैनिक नरेन्द्रसिंह, प्रधान आरक्षक लोमेश शर्मा (ष्टष्टञ्जहस्र शाखा रतलाम) एवं आरक्षक नरेन्द्रसिंह हाड़ा थाना रिंगनोद का विशेष सहयोग रहा।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि टीमवर्क, तकनीकी जांच एवं सतत निगरानी के कारण इतनी बड़ी चोरी का खुलासा संभव हो सका। क्षेत्रीय नागरिकों ने रतलाम पुलिस की तत्परता और कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए इसे अपराध नियंत्रण की दिशा में बड़ी सफलता बताया है।

सुसनेर में मेडिकल स्टोर रहे बंद, सिविल अस्पताल बना मरीजों का सहारा

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दवा व्यापारियों की विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को तहसील केमिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर नगर सहित क्षेत्रभर के मेडिकल स्टोर बंद रहे। बंद में नगर के 50 से अधिक मेडिकल संचालकों ने हिस्सा लिया। निजी मेडिकल स्टोर बंद रहने से दिनभर बाजार में सन्नाटा दिखाई दिया और दवा लेने पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। केमिस्ट व्यापारियों ने आगर पहुंचकर जिला स्तर पर अपना विरोध दर्ज कराया तथा प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर मांगों के निराकरण की मांग की। व्यापारियों का कहना था कि लंबे समय से उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होने के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। हालांकि बंद के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सिविल अस्पताल में व्यवस्थाएं बनाए रखीं। सिविल अस्पताल की डिस्पेंसरी 24 घंटे खुली रही, जिससे मरीजों को काफी राहत मिली। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को सरकारी पर्ची बनवाकर दवा काउंटर से आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गई। चीफ बीएमओ डॉ.राजीव कुमार बरसेना ने बताया कि दवा व्यापार बंद को देखते हुए अस्पताल में दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखा गया था। मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी गई और उपचार व्यवस्था नियमित रूप से जारी रही। बंद के दौरान कई लोग निजी मेडिकल स्टोर बंद मिलने पर सीधे सिविल अस्पताल पहुंचे, जहां उन्हें मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराई गई। स्वास्थ्य विभाग की तत्परता से आपातकालीन मरीजों को राहत मिल सकी।

दिव्यांग महिला को ई-केवाईसी समस्या से नहीं मिल रहा था राशन, प्रशासन ने मौके पर किया निराकरण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने एवं आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से ग्राम पंचायत उदयपुरिया में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान महिला आवेदक श्रीमती काली भूरिया ने राशन नहीं मिलने की समस्या बताई। इस पर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देश पर अधिकारियों द्वारा तत्काल मौके पर जांच एवं निराकरण की कार्यवाही की गई।

जांच के दौरान कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सुरेश तोमर द्वारा परिवार की जानकारी का परीक्षण किया गया, जिसमें पाया गया कि परिवार को प्रतिमाह नियमित रूप से 15 किलो राशन आवंटित हो रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि परिवार का एक सदस्य मानसिक रूप से दिव्यांग एवं कुष्ठ रोग से पीड़ित है, जिसकी उंगलियां मशीन में स्पष्ट नहीं आने के कारण ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पा रही थी तथा राशन वितरण में समस्या आ रही थी।

मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने खाद्य विभाग को तकनीकी समस्या के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सुरेश तोमर द्वारा मौके पर ही दिव्यांग महिला का आधार कार्ड मंगवाकर फेस ई-केवाईसी कराने का प्रयास किया गया, किंतु तकनीकी कारणों से प्रक्रिया सफल नहीं हो सकी। इसके पश्चात वरिष्ठ अधिकारी श्री पाटिल को अवगत कराते हुए भोपाल स्थित तकनीकी टीम से समन्वय स्थापित किया गया तथा ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला श्री भास्कर गाचले के मार्गदर्शन में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सुरेश तोमर द्वारा मौके पर ही महिला को दो माह का अतिरिक्त राशन दिलवाया गया। महिला को 5-5 किलो अतिरिक्त राशन प्रदान किया गया। अब संबंधित परिवार को प्रतिमाह 15 किलो के स्थान पर 20 किलो राशन प्राप्त होगा। परिवारजनों ने जिला प्रशासन की त्वरित कार्यवाही की सराहना की।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सुरेश तोमर ने बताया कि इसी दौरान राशन कम मिलने की शिकायत पर उचित मूल्य दुकान का औचक निरीक्षण भी किया गया। जांच में पाया गया कि दुकान का संचालन विपणन सहकारी संस्था थांदला द्वारा किया जा रहा है तथा नियमित विक्रेता के उपार्जन कार्य में व्यस्त रहने के कारण सहायक विक्रेता द्वारा वितरण कार्य संपादित किया जा रहा था, ताकि वितरण व्यवस्था प्रभावित न हो।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सुरेश तोमर ने बताया कि निरीक्षण के दौरान खाद्यान्न की तौल एवं कांटे का सत्यापन किया गया। 5 किलो के बांट से तौल कर खाद्यान्न की मात्रा सही पाई गई।

जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले अभियान अंतर्गत ग्राम उदयपुरिया में संतृप्ति शिविर आयोजित

शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता - कलेक्टर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धरती आबा योजना अंतर्गत संचालित जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले अभियान के तहत थांदला विकासखंड के ग्राम उदयपुरिया में संतृप्ति शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने उपस्थित ग्रामीणों से संवाद कर विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी तथा आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया।

कलेक्टर ने कहा कि शासन-प्रशासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक उनका लाभ पहुंचाना है। इसी सोच के साथ गांव-गांव पहुंचकर संतृप्ति शिविर लगाए जा रहे हैं, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि आदि सेवा केंद्रों के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जाएगा।

कलेक्टर ने ग्रामवासियों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीणों ने गांव को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं आदर्श बनाने में सराहनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि अगली बार गांव के भ्रमण के दौरान प्रत्येक पात्र व्यक्ति के पास आयुष्मान कार्ड होना चाहिए तथा गांव की सड़क एवं अन्य आवश्यक मांगों का भी निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राशन वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता, कम तौल अथवा चोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध तत्काल सख्त कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर ने महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद करते हुए कहा कि लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाएं बचत, स्वरोजगार एवं छोटे व्यवसाय अपनाकर अपने परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकती हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं का उल्लेख करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शिविर में चिन्हित मरीजों का बेहतर अस्पतालों में उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने सभी बुजुर्गों एवं पात्र नागरिकों से आयुष्मान कार्ड बनवाने की अपील करते हुए बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत एक परिवार को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाता है।

कलेक्टर ने सरपंच को निर्देशित किया कि ग्राम को शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्डधारी गांव बनाया जाए तथा पंचायत को टीबी मुक्त पंचायत बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि टीबी मरीजों को दवा के साथ पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे शीघ्र स्वस्थ हो सकें।

इस अवसर पर कलेक्टर ने ग्राम सरपंच भारत कटारा द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों एवं ग्राम के लिए किए गए प्रयासों की प्रशंसा की।

विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित- शिविर में कृषि विभाग द्वारा ई-विकास प्रणाली की जानकारी दी गई। बीईओ थांदला द्वारा जन भागीदारी ङ्क सबसे दूर, सबसे पहले अभियान के उद्देश्य बताए गए। सूतरेटी के मुकेश भूरिया ने जैविक कृषि को बढ़ावा देने संबंधी जानकारी दी। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा बीपी, डायबिटीज एवं टीबी जैसी बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

हितलाभ वितरण किया गया- सामाजिक न्याय विभाग द्वारा रेखा सिंगाड़िया को यूडीआईडी कार्ड वितरित किया गया तथा जोनू प्रकाश वसुनिया को दिव्यांग पेंशन योजना का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुल 70 आयुष्मान कार्ड बनाए गए, जिनमें बाबू निनामा एवं रिंकू निनामा को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए।

राजस्व विभाग द्वारा गोरचंद वसुनिया एवं रामा मनसू मावी को खाता-खसरा नकल प्रदान की गई। एमआरएलएम अंतर्गत रीना डामोर को अक्षर साथी के रूप में समूह की निरक्षर महिलाओं को शिक्षित करने हेतु स्लेट का वितरण किया गया। खुशबू अनिल कटारा को लाड़ली लक्ष्मी योजना का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।

मौके पर शिकायतों का निराकरण एवं निर्देश- ग्राम की अन्य फलियों तक सड़क निर्माण में बाधा उत्पन्न किए जाने की शिकायत पर कलेक्टर ने संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई कर निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

सीबल फलिया तक सड़क निर्माण की मांग पर जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना अंतर्गत 1.5 किलोमीटर सड़क को शामिल किया गया है।

दिव्यांग महिला के फिंगर प्रिंट स्कैन नहीं होने के कारण ई-केवाईसी नहीं हो पाने एवं राशन नहीं मिलने की शिकायत पर कलेक्टर ने महिला को नॉमिनी बनाकर राशन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कपिल धारा कूप निर्माण में सामग्री भुगतान लंबित होने की शिकायत पर कलेक्टर ने संबंधित हितग्राहियों एवं सार्वजनिक कूपों के भुगतान शीघ्र करने के निर्देश दिए।

ग्राम में पुलिया निर्माण की मांग पर कलेक्टर ने सहायक यंत्री को एस्टीमेट एवं प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मांग पर जानकारी दी गई कि नवीन सर्वे में ग्राम पंचायत के 584 आवेदकों के नाम सूची में शामिल किए गए हैं। स्वीकृति प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत में सूची चस्पा करने के निर्देश दिए। शिविर में लॉस ऑफ विजन संबंधी शिकायत पर कलेक्टर ने स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए। वहीं हियरिंग लॉस से पीड़ित बालिका का आरबीएसके योजना अंतर्गत उपचार कराने हेतु बीएमओ को निर्देशित किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, उज्जैन (म.प्र.)

//नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना//

क्रमांकः सम्पत्तिकर/2026/ उज्जैन, दिनांक : **20/05/2026**

सर्व सम्बन्धितों को सूचित किया जाता है कि, मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अंतर्गत सम्पत्तिकर झोन कार्यालय, नगर पालिक निगम उज्जैन में नामांकन हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है, जिनका विवरण निम्नानुसार है :

झोन क्र.	वार्ड क्र.	प्र.क्र.	सम्बन्धित सम्पत्ति का पूर्ण पता (जिसका नामांकन होना है)	सम्पत्ति स्वामी का नाम	आवेदक का नाम, जिसका नामांकन होना है	नामांकन का आधार
03	27	174	39/1 दादा भाई नौरोजी मार्ग	मो. हनीफ पिता अब्दुल रहीम	श्रीमती शाहना पति मो हनीफ	मृत्यु प्रमाण पत्र/शपथपत्र
03	27	175	34/2 दादाभाई नौरीजी मार्ग	डॉ मनोहरलाल शाह पिता रमणलाल शाह	1.निर्मला बेन शाह पति मनोहर लाल शाह 2.रविन्द्र कुमार 3.ब्रजेन्द्र कुमार शाह पुत्रगण मनोहरलाल	मृत्यु प्रमाण पत्र/शपथपत्र
03	33	176	19, रामचन्द्र बाबा शेवणी मार्ग	लीला बाई पति कन्यालाल	शोभा गुप्ता पति राकेश गुप्ता	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/ वसीयत नामा
03	28	177	18/15, सुभाष मार्ग	भूषण कुमार बत्रा पिता गिरधारी	शेखर बत्रा पिता भूषण कुमार	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/ वसीयत नामा
03	29	178	भवन क्र.4/1, बेगमपुरा मार्ग	श्रीमती ग्यारसी बाई पति बाबूलाल	1.श्रीमती प्रेमलता पति स्व. मनोहरलाल 2. राजकुमार पिता स्व. मनोहरलाल 3. गोपाल पिता स्व. मनोहरलाल	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र
03	28	179	21 तिलक मार्ग	माणकलाल गिरिया पिता तखत मल	शेख गुलाम रसूल पिता शेख गुलाम नबी	विक्रय पत्र
03	26	180	भवन क्र. 10 तिलक मार्ग	राईस खां पिता गुल्लू खां	मोहम्मद अली पिता बशीर खां	विक्रय पत्र
03	29	181	भवन क्र.70, बेगमपुरा मार्ग	सौरभ पोरवाल पिता स्वं श्री प्रकाशचंन्द्र पोरवाल	1.राजकुमार पोरवाल, 2.मयंक पोरवाल, 3. उषा पोरवाल, 4. बंशीलाल	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र
03	33	182	14, चौवीस खम्बा मार्ग	रामबाई पति दयाराम	श्यामलाल पिता कन्हैयालाल जासवाल	विक्रय पत्र
03	32	183	85/1, महाकाल मार्ग	अब्दुल वहाब पिता स्व. अब्दुल रउफ	अब्दुल जब्बार पिता अब्दुल वहाब	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र
03		184	6 सुभाष मार्ग पथ क्र 01	सत्य देवेलोपेर्स द्वारा , मनोज कुमार पिता खेराज मल	1 दिनेश रामी पिता मदन लाल रामी 2 तुषार रामी पिता दिनेश रामी	विक्रय पत्र
03	29	185	.53/1, बेगमपुरा मार्ग	1. रेणुका सुरेशचंद्र पति सुरेशचंन्द्र अग्रवाल 2. रेखा अग्रवाल पति सुरेश कुमार 3. अलका अग्रवाल पति विनय अग्रवाल 4. विमला गुप्ता पति धर्मेन्द्र गुप्ता 5. कमल किशोर पिता प्रभुदयाल 6. उमा पति राकेश अग्रवाल 7. कविता अग्रवाल पति गोपाल अग्रवाल	गेपाल अग्रवाल पिता कमल किशोर अग्रवाल	हक़ त्याग पत्र
03	32	186	9 महाकाल मार्ग	वहीदन बी पति अ. रहीम	1 अब्दुल सलीम पिता अब्दुल रहीम 2 मोहम्मद रशीद पिता अब्दुल रहीम	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र
03	27	187	29, दादा भाई नौरोजी मार्ग	1. नजमुद्दीन पिता स्व शमसुद्दीन कपाडिया 2.तसनीम बाई पति खुजेमा बड़वाहवाला 3 फरीदा पुत्री शमसुद्दीन पति इस्माईल	सकीना पति शमसुद्दीन कपाडिया	
03	33	188	30 व 31 बाबा रामचन्द्र शेवनी मार्ग	रमेशचन्द पिता गोविन्द राव	1 बावनगोत्रीय कसेरा समाज सेवा समिति अध्यक्ष - श्री निलेशकुमार पिता बंशीलाल कसेरा 2 सचिव श्री तरुणपिता तुलसीरामराम कसेरा	विक्रय पत्र
03	32	189	73 अहिल्याबाई मार्ग गली	अब्दुल सलीम पिता अब्दुल लतीफ	शाहजहां बी पति अब्दुल सलीम	विक्रय पत्र
03	33	190	55, जयसिंह पूरा मार्ग	1 शंकर लाल 2 बाबूलाल पिता कन्हैयालालमाली	1 लक्ष्मी नारायण 2 घनश्याम पिता बद्रीलाल चोधरी	विक्रय पत्र
03	27	191	64/1, दादा भाई नौराजी मार्ग	रिजवाना बी पिता अब्दुल खालिक	मज़हरूद्दीन पिता मोहद युनुस	विक्रय पत्र
03	28	192	फ्लेट क्रमांक 107 एवं 108 स्थित दुधतलाई मार्ग उज्जैन	1 सुनीता पुत्री श्री जितेन्द्र कुमार, 2 राजेश पिता रामेश्वर	1. श्रीमति आशादेवी पति स्व. श्याम सुंदर जी व्यास] 2. श्री राजेश कुमार व्यास पिता स्व. श्यामसुंदर जी व्यास	विक्रय पत्र
03	27	193	63, दादा भाई नौराजी मार्ग	1. मुस्तफा कपाडिया पिता कासिम अली कपाडिया 2. आबिद कपाडिया पिता कासिम अली कपाडिया	1.शेख अबुतालिब पिता शेख अशरफ 2.अशरफी शेख पति शेख अबू तालिब	
03	23	194	95, 95/1, 95/2, श्री पाल मार्ग	तुराब अली पिता हाजी गुलाम अब्बास	रवि प्रकाश बसल पिता बद्रीलाल जी बसल	विक्रय पत्र
03	33	195	45, जयसिंह पूरा मार्ग	पूनमचंद पिता सुखराम	राजेश माली पिता स्व पूनमचंद	हक त्याग पत्र
03		196	7 खुदीराम बोस मार्ग,	बशीरन बाई पति रमजानी	1 शोकत 2 सलीम 3 शकील हुसैन पिता सुल्तान रसूल (खान)	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र
03		197	1/1 नजर अली मार्ग	कृष्ण दयाल जी पाठक पिता रामदयाल जी	कुसुम सुराणा पति ओमप्रकाश जी	विक्रय पत्र
03		198	6, गोपाल मंदिर मार्ग गली 06	1 सतोष कुमार पिता मुन्नालाल पोरवाल 2. सदीप पिता सतोष कुमार	रेखा पति मुकेश सोनी	विक्रय पत्र
03	27	199	2/3, का भाग महाकाल मार्ग	हातिम अली कापडिया पिता फखरूद्दीन भाई कापडिया	निजामुद्दीन मूसा पिता सदीदुद्दीन	विक्रय पत्र
03	27	200	2/3 का पश्चिम दिशा वाला भाग	कुलसुम कपाडिया पति हैदर अली कपाडिया	निजामुद्दीन मूसा पिता सदीदुद्दीन	विक्रय पत्र
03	25	201	3, द्रविड़ मार्ग	भागवंती बाई पति इन्द्रनारायण व्यास	अमित कुमार व्यास पिता हेमन्त कुमार व्यास	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/ वसीयत नामा
03	31	202	10 अहिल्याबाई मार्ग गली	रूमाना पति आलम शेख आलम शेख पिता शेख कुद्दश	आयशा बी पति मो. अय्यूब	विक्रय पत्र
03	32	203	1/1/1, महाकाल मार्ग	शमशाद बेगम पति अब्दुल रकीब	राहेला परवीन पति सिराजुद्दीन	विक्रय पत्र
03	33	204	17, राजाभाऊ महाकाल मार्ग	जियालाल पिता किशनलाल शर्मा	1 तुषार पिता विजय यादव 2 उत्सव पिता दीपक यादव	विक्रय पत्र
03	26	205	143/1/2/1/2 तिलक मार्ग	1बृजेश राठी पिता कृष्णगोपाल जी राठी 2. विधि राठी पति बृजेश राठी	प्रशान्त जैन पित स्व प्रकाशचन्द्र जी जैन	
03	29	206	105, खुर्रमशाह मार्ग	पुष्कर राज पिता नन्दराम	नीरज वर्मा पिता पुष्कर राज वर्मा	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/ वसीयत नामा
03	27	207	43, श्रीपाल मार्ग	1. मो. शकील 2. मो वकील शाह 3. मो शाकिर शाह 4. जाकिर शाह 5.सादिक शाह पिता मो. इसमाइल शाह 6.शाहीन बी पति जाकिर हुसैन 7 रूबीना बी पति सलीम शाह	मंसूर एहमद पिता शमीम एहमद	विक्रय पत्र
03	25	208	06, आर्य समाज मार्ग	राजदेवी पिता प्रभाकर चन्द्र राव	सुभद्रा बाई पति ओमप्रकाश	विक्रय पत्र
03	26	209	155, तिलक मार्ग	खदीजा बानो पति तफ़ज्जुल हुसैन	1 शंकर नारवानी पिता लेखुमल नारवानी 2वंदना नारवानी पति शंकर नारवानी	विक्रय पत्र
03	31	2010	29/1, अहिल्या बाई मार्ग	रईसा बी पति स्व अ. रज्जाक	मो. अशफ़ाक पिता स्व अब्दुल रज्जाक	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/ वसीयत नामा
03	23	211	116, मदन लाल शर्मा मार्ग	1–सूरजदेवी पति रामचद्र राणा, 2–मुरलीधर राणा पिता भेरू सिंह राणा, 3–राजेन्द्र राणा पिता भेरू सिंह, 4 विष्णुप्रसाद राणा पिता रामचद्र राणा, 5– सूरेन्द्र राणा पिता ओमप्रकाश, 6 राधेश्याम राणा पिता भेरू सिंह, 7–धर्मेद्र राणा पिता रामचंद्र राणा, 8 आनंदीलाल पिता रामचन्द्र राणा, 9– काता राणा पति लक्ष्मीनारायण	राकेश कुमार शर्मा पिता उमेश चंद्र शर्मा	विक्रय पत्र
03	25	212	2–3/11 खिडवडकर मार्ग	अनिल कुमार पिता जगन्नाथ साखिया	रंजना जैन पति दिलीप जैन	विक्रय पत्र
03	33	213	02, बाबराम चन्द्रशेवणी मार्ग	गणेश पिता रत्ता जी भोई	मनोज कहार पिता गणेश कहार	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/ वसीयत नामा
03	24	214	88–203 नजर अली मार्ग	रूद्राक्ष गांण्डीवाल पिता गाजेन्द्र गांडीवाल	दीपिका खत्री पति महेश कुमार खत्री	विक्रय पत्र
03	32	215	42 जवाहर मार्ग	रामूबाई पति रामन्द्र व आदि	1.प्रहलाद, 2.गेपाल, 3 मोहनलाल 4 राजकुमार उर्फ राजू पिता रामचन्द्र 5 मजू पति स्व गिरधारीलाल 6 महेश करोरा पिता गिरधारीलाल 7 इंदिरा मोयल पति रमेशचन्द्र 8 सुभद्राबाई पति स्व. कैलाश कसेरा	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/ वसीयत नामा
03	27	216	3, दादाभाई नौराजी मार्ग	अशोक कुमार पिता भगमल	1 नितिन पिता स्व अशोक कुमार जैन 2 सपना पति नवीनसिंह चौधरी पुत्री स्व अशोक कुमार, 3 शर्मिला पति रूपेश कुमार नाहर पुत्री स्व अशोक कुमार जैन	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/ वसीयत नामा
03	32	217	118, महाकाल मार्ग	सुशीला बाई पति रमेश चन्द्र सक्सेना	शिव कुमार सक्सेना	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/ वसीयत नामा
03	33	218	4/1, चौबीस खम्बा मार्ग	1 आनन्दीलाल, 2 दौलत 3 महेश, 4 गणेश /पुत्रगण भगतराम रायकवार	1 राहुल चौरसिया पिता दिनेश 2 गौरव पिता नागेश पटवा	विक्रय पत्र
03	27	219	03, महाकाल मार्ग	जमीला बी पति अ. वहाब	जरीना बी पति नासिर हुसेन	दानपत्र
03		220	फ्लैट नंबर 207 28, 28/10, 28/11 का भाग महाकाल मार्ग	राफी रेसीडेन्सी उर्फ हैदरी अपार्टमेन्ट	अलीना खान पिता फिरदोस खान	विक्रय पत्र
03	29	221	27, खुर्रमशाह जहाँ मार्ग	उर्मिला यादव पति उमेश यादव	1 कैलाश पिता मांगीलाल 2 शकुंतला पिता कैलाश	विक्रय पत्र
03	25	222	10/1 नजर अली मार्ग	गोरधनलाल पिता रूगनाथ परमार	कमल पिता गोवर्धन परमार	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/ वसीयत नामा
03	33	223	73, जयसिंह पुरा मार्ग	1 किशोर सिंह पिता महेन्द्र सिंह गदौरिया 2 राजेन्द्र सिंह पिता गोवर्धन	टीना परमार पति सचिन	विक्रय पत्र
03	23	224	23 जवाहर मार्ग	1 किशोर कुमार 2 सुशिल कुमार पुत्रगण रतनलाल	1 रंजना शाह पति स्व किशोर कुमार शाह 2 मेहूल कुमार शा पिता स्व. किशोर कुमार 3 गौरव शाह पिता किशोर कुमार शाह	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/
03	33	225	53, चौबीस खम्बा मार्ग	1 राजेश पिता रामेश्वरीजी त्रिपाठी, 2 मीना पति राजेश त्रिपाठी	1 सतीश पिता रामचन्द्रजी बामनिया 2 ममता पति सतीश बामनिया	विक्रय पत्र
03	23	226	119, शकंराचार्य मार्ग	1 जितेन्द्र शर्मा पिता सूर्य नारायण, 2 आकाश पिता राजेश शर्मा, 3 दिनेश शर्मा पिता सदशिव जी, 4 कोमल शर्मा पति दिनेश शर्मा	राजेश सोनी पिता मूलचन्द्र सोनी	विक्रय पत्र
03		227	69, बेगमपुरा मार्ग	1आशा 2 कमला पति बद्रीलाल नवरंग 3 द्विशेष पिता बद्रीलाल नवरंग	1 तीजा पति लक्ष्मण लाल नवरंग 2 धर्मेश पिता लक्ष्मण लाल नवरंग 3 संजय पिता लक्ष्मण लाल नवरंग 4 उषा पति संजय सिसौदिया	बटवारा पत्र
03		228	69, बेगमपूरा मार्ग	1 चन्दन 2 संतोष पुत्रगण / विहारी लाल 3 पार्वती पति गिरधारी लाल 4 आशा पति राजेश 5 कमला पति बद्रीलालआदि	1 ललिता पति गोविन्द नवरंग 2 सावन 3 वर्षा 4 रश्मि	विक्रय पत्र
03	23	229	42, शंकराचार्य मार्ग	1 प्रमोद कुमार पिता मोहन लाल जी नीमा 2 निखिलेश कुमार पिता शान्तिलाल सोलंकी	अतुल पिता शान्तिलाल सोलंकी	विक्रय पत्र
03	25	230	2–3/28 खिडवडकर मार्ग	राजेश पिता फूलन्द्र सूर्यवंशी	1 दिलीप पिता शिवनारायण सोलंकी 2 दीपा पति दिलीप सोलंकी	विक्रय पत्र
03	24	231	1/2/2 तिलक मार्ग	1 विनोद कुमार पिता धरमदास करमचन्द फूलवानी 2 आशा पति धर्मदास फूलवानी	मोहम्मद ईकबाल पिता अब्दुल रहमान गौरी	विक्रय पत्र
03	27	232	28/28 10व 28/11, महाकाल मार्ग	मोहम्मद शहजाद पिता मोहम्मद रमजानी	फरीन खान पिता आरिफ खान	विक्रय पत्र
03	27	233	14 महाकाल मार्ग	जमील एहमद पिता खलील एहमद	नाजमा बी उर्फ बबली पति अवेज खान	हक त्याग पत्र
03	33	234	49 जयसिंहपुरा मार्ग	मैना बाई पुत्री थावरजी	अशोक सोलंकी पिता रामचन्द्र सोलंकी	विक्रय पत्र
03	33	235	38/1 जयसिंहपुरा मार्ग	श्यामा बाई पति तेजबहादुर	सचिन चौधरी पिता तेजबहादुर	विक्रय पत्र
03		236	42/2, हरिफाटक महाकाल योजना	1 शेहजाद बानो पति मो सिराज, 2 मो सिराज पिता मो नासिर	खुमार अहमद सिद्धीकी पिता शकील सिद्धीकी	विक्रय पत्र
03	28	237	9/6, फ्लैट नंबर 114 सुभाष मार्ग	जमनादेवी पति गोविन्द अग्रवाल	लता पति कृष्णदास पोरवाल	विक्रय पत्र
03		238	02, बेगमपुरा मार्ग	राजेन्द्र कुमार पिता चन्द्रशेखर पण्ड्या	1 उषा पति स्व राजेन्द्र कुमार 2 ऐश्वर्या पुत्री स्व राजेन्द्र कुमार 3 गोपाल पिता स्व राजेन्द्र कुमार	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/
03		239	3/3 जयसिंह पूरा मार्ग	शोभा राम	श्रीमती सावित्री बाई पति श्यामलाल श्रीमती केसरबाई पति रामलाल	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/
03	23	240	120 व 121 शकराचार्य मार्ग	गुरूकृपा डेव्हलपर्स 1 सुरेश पिता रमेशचन्द्र जी चावला 2 दिलीप परियाणी पिता स्व नारायणदास जी	डिम्पल जैन पति नरेश जी जैन	शपथपत्र /मृत्यु प्रमाण पत्र/

अतः उक्त नामांकन के संबंध में यदि किसी को आपत्ति हो तो नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर लिखित में मय अभिलेख/प्रमाण के साथ अपनी आपत्ति संबंधित झोन के प्रभारी सहायक सम्पत्तिकर अधिकारी को प्रस्तुत करें, नियत अवधी के पश्चात् कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

नोटः– उक्त नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना निगम की वेबसाईट http://nagarnigamujjain.org/ पर भी देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त (सम्पत्तिकर)
नगर पालिक निगम, उज्जैन
उज्जैन, दिनांक

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

ब्रिज काम में सुस्ती पड़ी भारी...कमिश्नर ने ठोकी 5 लाख की पेनल्टी

अंगारेश्वर-सिद्धवट ब्रिज की धीमी रफ्तार पर नाराजगी, बोले- काम तेज नहीं हुआ तो होगी और सख्त कार्रवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में लापरवाही अब सीधे कार्रवाई तक पहुंच गई है। शिप्रा तट पर बन रहे ब्रिज निर्माण कार्य की धीमी गति पर संभाग आयुक्त ने सख्त रुख अपनाते हुए गुजरात की निर्माण एजेंसी पर 5 लाख रुपए की पेनल्टी लगा दी। निरीक्षण के दौरान काम की रफ्तार बेहद धीमी मिलने पर उन्होंने साफ कहा कि सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन में देरी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बुधवार को संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने शिप्रा तट पर चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान अंगारेश्वर मंदिर से सिद्धवट मंदिर को जोड़ने वाले निर्माणाधीन ब्रिज का काम तय गति से पीछे मिला। इस पर संभाग आयुक्त ने मौके पर ही नाराजगी जताई और संबंधित एजेंसी पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए।

उन्होंने एजेंसी को चेतावनी देते हुए कहा कि काम की गति तुरंत नहीं बढ़ाई गई तो आगे और कठोर कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सिंहस्थ-2028 को देखते हुए हर परियोजना समय सीमा में पूरी करना प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ब्रिज निर्माण में उपयोग हो रही सामग्री की गुणवत्ता भी जांची। मौके पर मौजूद क्वालिटी कंट्रोल लैब का निरीक्षण करते हुए संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए कि निर्माण सामग्री की नियमित टेस्टिंग कर उसकी रिपोर्ट रजिस्टर में दर्ज की जाए। उन्होंने लैब में रखे रिकॉर्ड का अवलोकन कर अधिकारियों से जानकारी भी ली। संभाग आयुक्त और कलेक्टर ने इसके बाद इंदौर रोड स्थित डी-मार्ट के सामने चल रहे सड़क निर्माण कार्य और त्रिवेणी हिल्स से सिकंदरी के बीच शिप्रा तट पर बन रहे दूसरे ब्रिज का भी निरीक्षण किया।

यहां भी निर्माण एजेंसियों को समय सीमा के भीतर काम पूरा करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने साफ कहा कि सिंहस्थ में करोड़ों श्रद्धालुओं और संत-महात्माओं की आवाजाही को देखते हुए भीड़ नियंत्रण और सुगम यातायात के लिए ये ब्रिज बेहद महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

सिंहस्थ के बड़े काम, लेकिन रफ्तार बनी चिंता

-अंगारेश्वर-सिद्धवट ब्रिज पर काम धीमा मिला

-निर्माण एजेंसी पर 5 लाख रुपए की पेनल्टी

-क्वालिटी लैब में सामग्री जांच रिकॉर्ड रखने के निर्देश

-डी-मार्ट रोड और त्रिवेणी हिल्स क्षेत्र के काम भी जांचे

-अधिकारियों की चेतावनी- काम तेज नहीं हुआ तो होगी सख्त कार्रवाई

शॉर्ट सर्किट से इलेक्ट्रिक दुकान में लगी भीषण आग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बढ़ते तापमान के साथ आगजनी की घटनाएं सामने आने लगी हैं। बुधवार सुबह डाबरी पीठा स्थित इलेक्ट्रिक दुकान में भीषण आग लग गई जिसके चलते आसपास के दुकानदारों में भी हड़कम्प मच गया था। आग पर फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर काबू पाया। बताया जा रहा है कि नई सड़क से डाबरी पीठा जाने वाले मार्ग पर स्थित गणेश इलेक्ट्रिकल स्टोर्स में अचानक भीषण आग लग गई। आग तेजी से फैली और धुएं के साथ लपटें बाहर निकलने लगी। यह देख आसपास के दुकानदारों में भी हड़कम्प मच गया। लोगों ने आगजनी की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर दो दमकलें पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। गनीमत रही कि आग आसपास दुकानों तक नहीं फैली अन्यथा क्षेत्र में भीषण अग्निकांड हो जाता।इलेक्ट्रिक दुकान में आग लगने की वजह शार्ट सर्किट होना बताया जा रहा है जिसके चलते दुकान संचालक को लाखों का नुकसान हुआ है। मामले में पुलिस का कहना था कि आगजनी की शिकायत दर्ज होने पर जांच शुरू की जाएगी। शहर में पिछले कुछ दिनों से आगजनी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। बढ़ते तापमान के बीच आग लगने की घटनाओं को रोकने के लिए फायर ब्रिगेड का अमला तीन शिफ्टों में अलर्ट पर है।

घर में छुपाकर रखे थे 3.20 लाख के आभूषण बरामद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आईसीआईसीआई बैंक मैनेजर विनय जैन के सार्थक नगर स्थित मकान में 2 मई को चोरी की वारदात होना सामने आया था। जांच के दौरान नीलगंगा पुलिस को सीसीटीवी कैमरों में बाइक पर सवार 2 संदिग्ध दिखाई दिये थे। जिनकी पहचान करने पर इंदौर के एरोड्रम क्षेत्र के रहने वाले पिता-पुत्र हेमंत जैन और आदित्य जैन के रूप में हुई थी। दोनों बैंक मैनेजर के रिश्तेदार होना सामने आये थे।

जिन्हे 14 दिन बाद गिरफ्तार किया गया था। चोरी में हेमंत की पत्नी भी शामिल पाई गई थी। उसे हिरासत में लेकर पुलिस ने 2.80 लाख रूपये के आभूषण और नगदी बरामद कर लिये थे। चोरी छह लाख से अधिक थी, तीनों को न्यायालय में पेश किया गया था, जहां जेल भेज दिया गया था। एसआई वर्षा सोलंकी ने बताया कि शेष आभूषण बरामद करने के लिये हेमंत का सोमवार को प्रोटक्शन रिमांड जारी कराया गया। जिसे जेल से लाने के बाद शेष आभूषणों की बरामदगी के लिये एक टीम इंदौर लेकर गई। जहां घर में छुपाकर रखे गये 3.20 लाख कीमत के आभूषण और बरामद कर लिये गये। पिता-पुत्र ने कुछ नगद राशि खर्च कर दी थी, जिसकी बरामदगी नहीं हो पाई है। बावजूद चोरी की शत-प्रतिशत रिकवरी कर ली गई है। मंगलवार को हेमंत को न्यायालय में पेश कर दोबारा जेल भेज दिया गया है।

प्रतिदिन टारगेट के अनुसार चौड़ीकरण कार्य को पूर्ण करे - निगम आयुक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर विश्व भर से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुविधाजनक रूप से आवागमन उपलब्ध कराने, भीड़ प्रबंधन के लिए शहर के प्रमुख मार्गो का चौड़ीकरण कार्य किया जा रहा है। सिंहस्थ 2028 महापर्व के अंतर्गत शहर में किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण अन्तर्गत कोयला फाटक से कंठाल चौराहा सती गेट का निरीक्षण बुधवार को निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा ने किया। कोयला फाटक से कंठाल चौराहा तक निर्माणाधीन कार्य के निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने निर्देश दिए कि चौड़ीकरण कार्य के दौरान सबसे पहले मूलभूत सुविधा जैसे पेयजल पाईप लाइन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करें।

आयुक्त द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मंगलवार को मा. न्यायालय से स्टे खारिज होने के उपरांत हटाए गए भवनों के मलबों को हटाया जाकर नाली निर्माण कार्य को शीघ्र आरंभ किया जाए तथा मार्ग के दुसरी साईड भी क्लियर करते हुए वहां भी नाली निर्माण का कार्य आरंभ किया जाए, वर्तमान में कंठाल से सतीगेट मार्ग अन्तर्गत एक साईड में 25 मीटर तक नाली निर्माण का कार्य प्रचलित है। आपने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह मार्ग अत्यंत ही महत्वपूर्ण मार्गो में से एक है इसी मार्ग से भगवान श्री महाकालेश्वर की शाही सवारी निकाली जाती है साथ ही सिंहस्थ के दौरान प्रमुख अखाड़ों की पेशवाई भी इसी मार्ग से नगर भ्रमण करते हुए अपने अपने अखाड़ों पर पहुंचती है इस लिये उक्त मार्ग का कार्य निर्धारित समयावधी से पूर्व पूर्ण किया जाना आवश्यक है।

काल भैरव मंदिर में शुरू हुई 500 रुपए की शीघ्र दर्शन व्यवस्था

अब टिकट लेकर सीधे गर्भगृह से कर सकेंगे दर्शन, सिंहस्थ से पहले सुविधाओं का विस्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व प्रसिद्ध श्री काल भैरव मंदिर में अब श्रद्धालुओं के लिए शीघ्र दर्शन व्यवस्था शुरू कर दी गई है। बुधवार से लागू हुई इस नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु 500 रुपए का टिकट लेकर सीधे गर्भगृह से दर्शन कर सकेंगे। मंदिर प्रशासन ने शुरुआत में यह सुविधा ऑफलाइन रखी है, जिसे जल्द ही ऑनलाइन करने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

मंदिर परिसर के बाहर बनाए गए टिकट काउंटर से सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक टिकट मिलेंगे। टिकट लेने वाले श्रद्धालुओं को विशेष मार्ग से प्रवेश दिया जाएगा, जिससे वे सामान्य कतार से अलग सीधे गर्भगृह तक पहुंच सकेंगे। उल्लेखनीय है कि श्री महाकालेश्वर मंदिर के बाद अब काल भैरव मंदिर में भी यह व्यवस्था लागू होने से बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। विश्व प्रसिद्ध काल भैरव मंदिर में भगवान काल भैरव को मदिरा का भोग लगाने की अनूठी परंपरा है। इसी कारण देशभर से प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। बढ़ती भीड़ और सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को देखते हुए मंदिर परिसर में करीब 125.17 करोड़ रुपए की लागत से कॉरिडोर और अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मंदिर प्रशासन का कहना है कि कई बार श्रद्धालु शीघ्र दर्शन के नाम पर ठगी का शिकार हो जाते थे। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब श्रद्धालु अधिकृत टिकट लेकर सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से दर्शन कर सकेंगे।

विशेष मार्ग से मिलेगा प्रवेश- नई व्यवस्था के तहत टिकट लेने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर के निर्गम द्वार से लगे विशेष मार्ग से प्रवेश दिया जाएगा। यहां से श्रद्धालु सीधे गर्भगृह द्वार तक पहुंचेंगे और सामान्य लाइन में लगे बिना दर्शन कर सकेंगे। प्रशासन का मानना है कि इससे भीड़ प्रबंधन में भी मदद मिलेगी।

आरती के समय कुछ देर बंद रहते हैं दर्शन- मंदिर के पट प्रतिदिन सुबह 6:30 बजे से रात 9:30 बजे तक खुले रहते हैं। सुबह 8 बजे और रात 8:30 बजे आरती के दौरान कुछ समय के लिए दर्शन व्यवस्था बंद रहती है। बाकी समय श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से दर्शन कराए जाते हैं। वीआईपी और प्रोटोकॉल दर्शन की अलग व्यवस्था पहले से संचालित है।

ऐसे मिलेगा शीघ्र दर्शन

मंदिर के बाहर काउंटर से लेना होगा 500 रुपए का टिकट

टिकट सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक उपलब्ध

विशेष मार्ग से मिलेगा प्रवेश

सीधे गर्भगृह तक पहुंच सकेंगे श्रद्धालु

शुरुआत में ऑफलाइन व्यवस्था लागू

जल्द शुरू होगी ऑनलाइन बुकिंग

काल भैरव मंदिर की खासियत

भगवान काल भैरव को लगाया जाता है मदिरा का भोग

देशभर से पहुंचते हैं हजारों श्रद्धालु

सिंहस्थ-2028 को देखते हुए हो रहा विस्तार

125.17 करोड़ रुपए से बन रहा कॉरिडोर

डाबरीपीठा में आग... गणेश इलेक्ट्रिकल्स का गोदाम धू-धूकर जला

पांच घंटे तक भड़कती रहीं लपटें, चार दमकलों ने पाया काबू- लाखों के नुकसान की आशंका, कारणों की जांच शुरू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के डाबरीपीठा इलाके में बुधवार सुबह अचानक उस समय हड़कंप मच गया, जब गणेश इलेक्ट्रिकल्स के गोदाम में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा गोदाम धुएं और आग की लपटों से घिर गया। इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 8 बजे गोदाम से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग तेजी से फैलने लगी। स्थानीय लोगों ने तुरंत दुकान संचालक नितेश जैन और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। आग इतनी भीषण थी कि आसपास के लोग दहशत में घरों और दुकानों से बाहर निकल आए। बताया जा रहा है कि गोदाम में भारी मात्रा में इलेक्ट्रिकल सामान, वायर और केबल रखी हुई थी। ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग ने कुछ ही मिनटों में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। दमकलकर्मियों को आग बुझाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आग तक पहुंचने के लिए गोदाम का शटर तोड़ा गया। इसके बाद जेसीबी मशीन बुलाकर अंदर रखा सामान बाहर निकाला गया, ताकि आग पर तेजी से नियंत्रण पाया जा सके। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार आग की लपटें और धुएं का गुबार काफी दूर तक दिखाई दे रहा था। दमकलकर्मी लगातार पानी की बौछार करते रहे, लेकिन आग बार-बार भड़क रही थी। करीब पांच घंटे तक चले रेस्क्यू और फायर ऑपरेशन के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। हालांकि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन गोदाम में रखा लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक नुकसान काफी बड़ा बताया जा रहा है। दुकान संचालक नितेश जैन ने आशंका जताई कि रात के समय गोदाम के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। संभव है कि किसी जलती हुई वस्तु या लापरवाही के कारण आग लगी हो। हालांकि अभी तक आग लगने के वास्तविक कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। फिलहाल पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर जांच में जुटी हुई है। आग लगने के कारणों का पता लगाने के साथ नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। इलाके में दिनभर इस भीषण आगजनी की घटना चर्चा का विषय बनी रही।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत 13 जून को वैष्णों देवी हेतु तीर्थ यात्रा रवाना होगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत उज्जैन जिले से माह जून 2026 में वैष्णों देवी तीर्थ यात्रा जाना प्रस्तावित है जिले से यात्रा का लक्ष्य 191 है, इच्छुक आवेदक अपना आवेदन कार्यालय नगर शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ नगर पालिक निगम उज्जैन आगर रोड के कक्ष क्रमांक 214 से प्राप्त कर दिनांक 30 मई 2026 तक दोपहर 03:00 बजे तक जमा करवा सकते हैं, यात्रा 13 जून को प्रारंभ होगी वरिष्ठ नागरिक जिनकी उम्र 60 वर्ष से अधिक है दंपति के साथ यात्रा कर सकते हैं तथा 65 वर्ष से अधिक उम्र के आवेदक दंपत्ति अपने साथ एक सहायक (जिसकी आयु 18 से 49 वर्ष) को ले जाने की पात्रता रखते हैं, 60 प्रतिशत दिव्यांग के लिए आयु का बंधन नहीं है दिव्यांग आवेदक अपने साथ एक सहायक ले जा सकते हैं, सहायक शारीरिक रूप से सक्षम हो, आवेदक आयकर दाता नहीं होना चाहिए आवेदक उज्जैन निकाय क्षेत्र का मूल निवासी होना चाहिए आवेदनकर्ता को जरूरी दस्तावेज जिसमें आवेदक का आधार कार्ड, समग्र आईडी, पासपोर्ट साइज फोटो, स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, आवेदक के सभी दस्तावेज समग्र आईडी में ईकेवाईसी सहित आवेदन के साथ संलग्न होना चाहिए आवेदन 02 सेट में जमा होंगे आवेदन केवल हिंदी भाषा में ही मान्य होंगे।

21 दिन बाद गिरफ्त में आया घायलों की बाइक चोरी करने वाला बदमाश

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दुर्घटना में घायल 2 युवकों की बाइक चोरी करने वाले एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है। चोरी में शामिल दूसरे बदमाश की तलाश जारी है। गिरफ्त में आये बदमाश से चुराई गई बाइक बरामद कर ली गई है। नरवर थाना प्रभारी बल्लू मंडलोई ने बताया कि ग्राम नरेडी फंटा खाचरौद में रहने वाले प्रहलाद पिता रमेश 22 साल और रमेश खारोल नरवर होते हुए 28 अप्रैल को इंदौर जा रहे थे। कचनारिया ब्रिज पर संतुलन बिगड़ने पर दोनों घायल हो गये थे। 108 एम्बुलेंस दोनों को उपचार के लिये अमलतास अस्पताल लेकर चली गई थी। बाइक घटनास्थल पर ही पड़ी थी। दोनों के परिजन अस्पताल पहुंचे थे, जहां से पता चला कि बाइक कचनारिया ब्रिज नरवर के पास पड़ी है। परिजन मौके पर पहुंचे तो बाइक गायब होना सामने आया था। दोनों घायलों की अस्पताल से छुट्टी होने पर प्रहलाद की शिकायत पर बाइक चोरी का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया था। मंगलवार सुबह सूचना मिली कि दुर्घटना में घायलों की चोरी हुई बाइक के साथ एक युवक अमलतास अस्पताल के पास ब्रिज के नीचे खड़ा है। तत्काल पुलिस टीम को भेज दबिश दी गई और बाइक बरामद कर युवक को हिरासत में लिया गया। जिससे पूछताछ करने पर उसका नाम मोहित पिता जितेन्द्र 20 साल निवासी बड़ा बाजार थाना नाहर दरवाजा देवास हाल निवासी शांतिनगर ग्राम अमोना, थाना औद्योगिक क्षेत्र होना सामने आया। उसने बताया कि बाइक साथी जय के साथ मिलकर चोरी की थी। थाना प्रभारी के अनुसार चोरी की बाइक के साथ आरोपित के हिरासत में आने पर उसे मंगलवार दोपहर न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। पूछताछ कर उसके फरार साथी की गिरफ्तारी के प्रयास करने के साथ अन्य वाहन चोरी के संबंध में पूछताछ जारी है।

ई-फार्मेसी के खिलाफ उज्जैन में 1000 मेडिकल बंद, केमिस्टों ने निकाली बाइक रैली

भारी डिस्काउंट और ऑनलाइन दवा बिक्री का विरोध, कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन- अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ई-फार्मेसी और कॉर्पोरेट कंपनियों की भारी छूट के विरोध में बुधवार को उज्जैन जिले के 1000 से अधिक मेडिकल स्टोर 24 घंटे के लिए बंद रहे। अखिल भारतीय केमिस्ट संघ (एआईओसीडी) के आह्वान पर जिलेभर के मेडिकल संचालकों ने हड़ताल करते हुए बाइक रैली निकाली और कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया।

शहर में बुधवार सुबह से ही अधिकांश मेडिकल स्टोर बंद नजर आए। जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन (यूडीसीडीए) के सदस्य दोपहर में फ्रीगंज स्थित दावा बाजार में एकत्रित हुए। यहां से बड़ी संख्या में मेडिकल व्यवसायियों ने बाइक रैली निकाली। रैली विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां केमिस्टों ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।प्रदर्शन के दौरान मेडिकल व्यवसायियों ने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री और कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा दी जा रही भारी छूट से छोटे मेडिकल व्यापारियों का व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि ई-फार्मेसी कंपनियां नियमों की अनदेखी कर बिना उचित सत्यापन के दवाओं की बिक्री कर रही हैं, जिससे मरीजों की सेहत पर भी खतरा बढ़ रहा है।

मध्य प्रदेश केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष गौतम चंद धींग ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बिना भौतिक जांच के दवाएं बेची जा रही हैं।

इससे नकली दवाओं की बिक्री और एंटी-माइक्रोबियल रेजिस्टेंस जैसी गंभीर समस्याएं बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि छोटे व्यापारी लगातार आर्थिक दबाव में आ रहे हैं और उनका अस्तित्व संकट में है।

केमिस्ट संगठनों का दावा है कि देशभर में करीब 12.40 लाख केमिस्ट और उनसे जुड़े लगभग 5 करोड़ लोगों की आजीविका इस कारोबार पर निर्भर है। यदि सरकार ने ई-फार्मेसी और डीप डिस्काउंटिंग पर जल्द सख्त निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आने वाले दिनों में देशभर में अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

केमिस्टों की प्रमुख मांगें

-अवैध ई-फार्मेसी पर तत्काल रोक लगे

-ऑनलाइन दवा बिक्री के लिए सख्त नियम लागू हों

-भारी डिस्काउंट देकर बाजार बिगाड़ने वाली कंपनियों पर कार्रवाई हो

-दवा बिक्री में फार्मासिस्ट और डॉक्टर प्रिस्क्रिप्शन का सत्यापन अनिवार्य किया जाए

-छोटे मेडिकल व्यापारियों के हितों की सुरक्षा की जाए

निगम आयुक्त द्वारा गंभीर, अंबोदिया एवं गऊघाट प्लांट पर हरियाखेड़ी वाटर सप्लाई प्लांट का निरीक्षण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा बुधवार को अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह एवं प्रोजेक्स से सम्बंधित इंजिनियर एवं ठेकेदार के साथ गंभीर, अंबोदिया एवं गऊघाट प्लांट पर हरियाखेड़ी वाटर सप्लाई प्लांट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त द्वारा संबंधित कार्य के ठेकेदार को निर्देशित किया कि वर्तमान में जो कार्य प्रचलित है वह समय सीमा एवं उच्च गुणवत्ता से हो वर्तमान में कार्य की प्रगति बहुत धीमी है इसलिए संसाधन और लेबर बढ़ाएं जाकर कार्य किया जाए जो भी मटेरियल निर्माण कार्य में उपयोग किया जा रहा है वह गुणवत्ता पूर्वक एवं टेस्टिंग का होना चाहिए कार्य के दौरान किसी प्रकार की गुणवत्ता में कमी पाई गई तो ठेकेदार पर कार्यवाही की जाएगी।

शिप्रा नदी में स्पीड बोटिंग भगवान भरोसे...

बरगी डेम हादसे के बाद भी नहीं जागा सिस्टम, कई पर्यटकों को बिना लाइफ जैकेट घुमा रहे नाव संचालक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जबलपुर के बरगी डेम में 30 अप्रैल को हुए दर्दनाक क्रूज हादसे में कई लोगों की मौत के बाद भी उज्जैन में शिप्रा नदी पर चल रही स्पीड बोट और बड़ी नावों की सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे नजर आ रही है। रामघाट पर रोजाना सैकड़ों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को नदी की सैर कराई जा रही है, लेकिन सुरक्षा के नाम पर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। कई पर्यटकों को बिना लाइफ जैकेट के ही बोट में बैठाकर नदी में उतार दिया जाता है, जबकि जो जैकेट दिए भी जा रहे हैं वे पुराने और जर्जर हालत में हैं।

उल्लेखनीय है कि रामघाट पर राणोजी की छत्री के सामने पिछले 22 वर्षों से मां शिप्रा बोट क्लब द्वारा स्पीड बोट और बड़ी नाव का संचालन किया जा रहा है। यहां वर्तमान में एक 18 सीटर बड़ी नाव और एक 8 सीटर स्पीड बोट चल रही है। प्रतिदिन 100 से 150 पर्यटक सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक नदी की सैर करते हैं। इसके लिए प्रति व्यक्ति 40 रुपए शुल्क लिया जाता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब बरगी डेम जैसे हादसे के बाद पूरे प्रदेश में जल पर्यटन की सुरक्षा पर चर्चा हो रही है, तब उज्जैन में अब तक सुरक्षा मानकों का पालन क्यों नहीं कराया जा रहा। घाट पर कई बार श्रद्धालु खुद भी लाइफ जैकेट पहनने से मना कर देते हैं, लेकिन नियमों के मुताबिक बिना जैकेट किसी को भी नाव में बैठाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। इसके बावजूद जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे हैं।

रामघाट चौकी प्रभारी ईश्वरलाल चौधरी ने भी माना कि बड़ी नाव में सुरक्षा को लेकर लापरवाही होती है। उनके मुताबिक कई यात्रियों को लाइफ जैकेट नहीं पहनाए जाते, जबकि राणोजी की छत्री के सामने शिप्रा में 8 से 10 फीट तक गहराई है। किसी भी हादसे की स्थिति में यह लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है।

हालांकि बोट क्लब संचालक सुनील कुमार गुप्ता का दावा है कि सभी सुरक्षा इंतजाम पूरे हैं और सभी यात्रियों को लाइफ जैकेट दिए जाते हैं। उनका कहना है कि समय-समय पर बोट और सुरक्षा उपकरणों का मेंटेनेंस कराया जाता है तथा 22 साल में कभी कोई हादसा नहीं हुआ। इधर रामघाट पर होमगार्ड और एसडीईआरएफ के 30 जवान तीन शिफ्टों में तैनात हैं, लेकिन सवाल यह है कि जब बोट में बैठने वालों को अनिवार्य रूप से लाइफ जैकेट तक नहीं पहनाई जा रही, तब सुरक्षा इंतजामों का दावा कितना मजबूत है।

ऐसी होनी चाहिए असली लाइफ जैकेट- विशेषज्ञों के मुताबिक असली लाइफ जैकेट पानी में व्यक्ति को सीधा रखने वाली होनी चाहिए। उसमें लेग स्ट्रैप, मजबूत लॉक, हाई विजिबिलिटी ऑरेंज या यलो रंग, आईएसआई या अन्य सुरक्षा मानक का टैग, पर्याप्त फ्लोटेशन फोम, सीटी और रिफ्लेक्टिव टेप होना जरूरी है। बिना इन सुविधाओं वाली जैकेट हादसे के समय बेकार साबित हो सकती है।

एक दिवसीय युवा संगम रोजगार मेला 26 मई को

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश शासन के युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र व शासकीय आई. टी. आई संस्थान के तत्वावधान में 26 मई को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मक्सी रोड ब्रिज के नीचे उज्जैन में एक दिवसीय युवा संगम रोजगार मेला, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा। उक्त रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनियां जैसे- न्यू जील फैशन वियर प्राइवेट लिमिटेड बदनावर, आइसेक्ट लिमिटेड, एसबीआई लाइफ उज्जैन, भारतीय जीवन बीमा निगम उज्जैन, स्वतंत्र माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड उज्जैन, आदित्य बिड़ला इनश्योरेंश उज्जैन, टी. एस.सी.एफ.एम. सेज फाउंडेशन इन्दौर, प्रतिभा स्वराज प्रा.लि. उज्जैन, क्रेडिटएक्सेस ग्रामीण प्राइवेट लिमिटेड, पुखराज हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड, इन्दौर, बेस्ट लाइफस्टाइल अपैरल प्राइवेट लिमिटेड उज्जैन, यूनिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, जबलपुर, कृषि दर्पण एग्रो प्राइवेट लिमिटेड उज्जैन, विजय एग्रो वायो केयार प्रा. लि. भोपाल आदि के लगभग 200 से अधिक विभिन्न पदों जैसे- सेल्स एक्जिकिटीव, टेक्नीशियन, ट्रेनर, सैल्स, टिम लिडर, बैक आफिस, सुरक्षा गार्ड, ऑपरेटर, हेल्पर, ऑफिस वॉय आदि पदों के लिए आकर्षक वेतन पर रोजगार प्रदान करने हेतु कंपनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन करेंगे। महिला हेल्पर, ऑपरेटर के लिए विशेष भर्ती के अवसर है। उक्त मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो कि 5वीं से स्नातकोत्तर किसी भी विषय में पास आवेदक एवं तकनीकी योग्यता के आवेदक भी उक्त पदों हेतु रोजगार मेले में भाग लेकर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते है।